CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-45
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार, 23 मई 2024

आज का विचार

पढ़ना कभी भी बंद न करें,क्योंकी ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती...

सिंगल कॉलम

चारधाम यात्रा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद लेने की तैयारी

देहरादून। चारधाम यात्रा प्रबंधन व संचालन के लिए प्राधिकरण बनाने पर मंथन शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संबंध में निर्देश दिए थे और अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से रिपोर्ट मांगी थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सिर्फ चारधाम यात्रा ही नहीं राज्य में होने वाली अन्य यात्राओं के प्रबंधन एवं संचालन की स्थायी व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श शुरू हो गया है। अपर मुख्य सचिव ने अपने कार्यालय कक्ष में पर्यटन, धर्मस्व, पुलिस, सूचना विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राज्य में संचालित होने वाली यात्राओं की व्यवस्थाओं और उस दौरान पेश आने वाली चुनौतियों, दिक्कतों और समस्याओं के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में यह विचार किया गया कि सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा संचालित करने के लिए स्थायी तंत्र बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए प्राधिकरण बनाए जाने की संभावना पर विचार किया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि यात्रा को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद ली जा सकती है। डेटा विशेलषण के जरिये यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कितनी संख्या में श्रद्धालु आएंगे और किस-किस तिथियों पर अधिक भीड़ जुट सकती है। इन अनुमानों के आधार पर शासन और प्रशासन अपनी तैयारियां कर सकता है।

आर्टिकल 370 पर समीक्षा याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 370 से जुड़े अपने फैसले की समीक्षा को लेकर मांग वाली याचिकाएं खारिज कर दी हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्?यक्षता वाली पीठ ने कहा कि समीक्षा याचिकाओं पर गौर करने के बाद पाया गया कि रिकॉर्ड पर स्पष्ट रूप से कोई त्रुटि नहीं है। सुप्रीम कोर्ट रूल्स 2013 के आदेश के तहत समीक्षा के लिए कोई मामला नहीं बनता। ऐसे में अनुच्छेद 370 को लेकर समीक्षा याचिकाएं खारिज की जाती हैं। 5 जजों की पीठ में जस्टिस संजीव खन्ना, बीआर गवई, सूर्यकांत, और एएस बोप्पना भी शामिल थे। पीठ ने समीक्षा याचिका को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने और व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने और बहस करने की अनुमति मांगने वाले आवेदनों को खारिज कर दिया। 11 दिसंबर, 2023 के अपने ऐतिहासिक फैसले में, संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से मोदी सरकार के अगस्त 2019 के फैसले पर अपनी मंजूरी की मुहर लगा दी थी। इसमें अनुच्छेद 370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने का फैसला किया गया था। जस्टिस कौल 25 दिसंबर, 2023 को रिटायर हुए, जिसके बाद जस्टिस बोपन्ना सहित एक पुनर्गठित पीठ ने समीक्षा याचिकाओं पर फैसला किया। पिछले दिसंबर में, पीठ ने तीन अलग-अलग लेकिन एकमत निर्णयों में, जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने का आदेश दिया। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर, 2024 की समय सीमा तय की।

सुप्रीम कोर्ट ने पीएफआई के आठ सदस्यों की जमानत की रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले को पलटते हुए प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के आठ कथित सदस्यों की जमानत रद्द कर दी। पीएफआई सदस्यों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने पीएफआई सदस्यों की जमानत रद्द करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण करने को कहा है। पीएफआई सदस्यों को मद्रास हाईकोर्ट ने बीते साल 19 अक्तूबर को जमानत दे दी थी। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा राष्ट्रीय सुरक्षा हमेशा सर्वोपरि है और आतंकवाद से कोई भी संबंध प्रतिबंधित होना चाहिए। जमानत पर रिहा चल रहे आरोपी बरकतुल्लाह, इदरीस, मोहम्मद अबुताहिर, खालिद मोहम्मद, सैयद इशाक, खाजा मोहिद्दीन, यासर अराफात और फयाज अहमद हैं। इन सभी को सितंबर 2022 में गिरफ्तार किया गया था।

चुनाव प्रचार के गिरते स्तर को देखते हुए भाजपा-कांग्रेस पर चुनाव आयोग सख्त, नड्डा-खड़गे को भेजा नोटिस

दोनों अध्यक्षों को मर्यादा का पाठ

बीजेपी नेता अपने भाषणों के दौरान धार्मिक और सांप्रदायिक बयानबाजी न करें

कांग्रेस नेता संविधान और अग्निवीर योजना पर आधारहीन बयानबाजी न करें

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच राजनीतिक दलों के नेताओं की बयानबाजी का सिलसिला भी जारी है। चुनाव आयोग द्वारा लगातार ऐसे मामलों पर कार्रवाई भी की जा रही है। इस बीच चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को निर्देश दिए हैं। दोनों नेताओं से कहा गया है कि वे अपने स्टार प्रचारकों को कोई भी बयान देते समय सावधानी बरतने और मर्यादा बनाए रखने के निर्देश दें। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रचार के गिरते स्तर को देखते हुए ये आदेश दिए गए हैं। आयोग ने जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों को आड़े हाथों लिया। आयोग ने भाजपा को निर्देश दिए हैं कि पार्टी के नेता अपने भाषणों के दौरान धार्मिक और सांप्रदायिक बयानबाजी न करें। यह भी कहा गया है कि समाज को बांटने वाले बयानों से बचें। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव के समय सत्तारूढ़ दल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेताओं से

कहा है कि आधारहीन बयानबाजी न करें। मुख्य रूप से संविधान को खत्म करने और अग्निवीर योजना खत्म करने वाले बयान न देने के आदेश दिए गए हैं। कांग्रेस प्रचारकों और उम्मीदवारों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे रक्षा बलों पर राजनीति न करें। साथ ही रक्षा बलों की सामाजिक और आर्थिक संरचना को लेकर विभाजनकारी भाषण न देने का आदेश दिया है।

बीजेपी और कांग्रेस दोनों की खिंचाई : चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनावों के दौरान जाति, समुदाय, भाषा और धर्म या सांप्रदायिक आधार पर प्रचार करने के लिए देश के प्रमुख राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। चुनाव आयोग ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों की खिंचाई करते हुए उन्हें धार्मिक, समुदाय, भाषा और जाति के आधार पर प्रचार करने से परहेज करने को कहा।

गुणवत्तापूर्ण चुनावी अनुभव की विरासत को कमजोर न करें: आयोग ने पाया कि देश का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश एक स्थायी संरक्षण है। इसे चुनावों का शिकार नहीं बनाया जा सकता है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि बीजेपी-कांग्रेस को भारतीय मतदाताओं के गुणवत्तापूर्ण चुनावी अनुभव की विरासत को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यह कहा गया नड्डा से: राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विभाजनकारी भाषण को लेकर विपक्ष के आरोप पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को नोटिस जारी करने के करीब एक महीने बाद आयोग ने उनके बचाव को खारिज कर दिया। साथ ही नड्डा तथा उनकी पार्टी के स्टार प्रचारकों को धार्मिक एवं सांप्रदायिक आधार पर प्रचार नहीं करने को कहा। आयोग ने बीजेपी से समाज को बांटने वाले चुनावी भाषणों को बंद करने को भी कहा।

यह कहा गया खड़गे से: चुनाव आयोग ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि उनके स्टार प्रचारक ऐसे बयान न दें, जो गलत धारणा पैदा करते हों, जैसे कि भारत का संविधान को खत्म किया जा सकता है या बेचा जा सकता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी रैलियों में अग्निवीर योजना को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर रहे हैं। इस पर चुनाव आयोग ने कांग्रेस के प्रचारकों और उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे रक्षा बलों का राजनीतिकरण न करें और रक्षा बलों की सामाजिक-आर्थिक संरचना के बारे में विभाजनकारी बयान न दें।

मोहन यादव खुद संभालेंगे सिंहस्थ की व्यवस्था

जल्द बनेगी कैबिनेट कमेटी

भोपाल। बारह बरस में एक बार होने वाले महाकाल के दरबार के बड़े आयोजन सिंहस्थ की तैयारियां मध्यप्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव खुद संभालेंगे। इसके लिए एक कैबिनेट कमेटी बनाई जाएगी। इन तैयारियों के बीच नमामी क्षिप्रा प्रोजेक्ट भी जल्दी ही शुरू किया जाएगा। सिंहस्थ का आयोजन वर्ष 2028 में होना है। इसके लिए तैयारियों का दौर अभी से शुरू हो गया है। सिंहस्थ तैयारियों के लिए एक कैबिनेट कमेटी गठित की जाएगी। इसकी अध्यक्षता खुद सीएम डॉ. मोहन यादव करेंगे। चूंकि, डॉ. मोहन उज्जैन से ही हैं, इस वजह से महाकाल लोक से लेकर सिंहस्थ कामों तक में उनकी गहरी रुचि और अहम भूमिका रही है। इसी के चलते उन्होंने इन सारी व्यवस्थाओं को अपने हाथों में रखने का निर्णय लिया है।

अधिकारियों से चर्चा: जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंहस्थ 2028 के संबंध में बुधवार को अधिकारियों से चर्चा की है। इस दौरान सिंहस्थ निगरानी कमेटी में शामिल किए जाने वाले कैबिनेट सदस्यों के नामों पर भी विचार किया गया है। तय किया गया है कि जुलाई माह में आने वाले मोहन सरकार के पहले बजट में अगले तीन साल में पूरे होने वाले कामों को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना नदी जोड़ो की कड़ी में नमामी क्षिप्रा योजना को भी शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

पूरे मालवा- निमाड़ के जिलों में विकास कार्य: उज्जैन सिंहस्थ कुंभ 2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन के साथ-साथ पूरे मालवा और निमाड़ के जिलों में भी विकास कार्य होंगे।

सिंहस्थ कुंभ के बेहतर प्रबंधन और समन्वय के लिए विभागीय अधिकारियों का दल प्रयागराज और हरिद्वार कुंभ का अध्ययन भी करेगा। इस दौरान सीएम ने कहा कि नमामि गंगे की तर्ज पर नमामि क्षिप्रा योजना शुरू होगी।

महाकाल महालोक के काम पूरे हों: अधिकारियों के साथ बैठक में चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निर्देश दिया कि उज्जैन में विकसित होने वाली स्पिरिचुअल सिटी के लिए महाकाल महालोक के प्रथम व द्वितीय चरण में पूरे किए जाएं। साथ ही, उज्जैन विकास प्राधिकरण व गृह निर्माण मंडल की योजनाओं को सम्मिलित करते हुए कार्य योजना बनाने का भी निर्देश दिए।

धर्मस्व विभाग उज्जैन में: धार्मिक आयोजन, गतिविधियों, योजनाओं और सुविधाओं के लिए प्रदेश सरकार का धर्मस्व विभाग संचालित होता है। डॉ. मोहन यादव के हाथों में प्रदेश की बागडोर आने के बाद उन्होंने इस विभाग को उज्जैन में ट्रांसफर कर दिया है। सिंहस्थ की तैयारियों और महाकाल लोक के बाकी चरणों के कामों को पूरा करने के लिहाज से किए गए इस बदलाव के बाद धर्मस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का मुख्यालय भोपाल के बजाय उज्जैन ही कर दिया गया है। **उमा और शिवराज भी करा चुके सिंहस्थ:** वर्ष 2003 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी। इसकी अगुआ साध्वी उमा भारती थीं। उनके मुख्यमंत्री बनने के अगले वर्ष 2004 में सिंहस्थ का आयोजन हुआ था। इसकी तैयारियों को लेकर साध्वी ने बड़ी तन्मयता दिखाई थी। इसके बाद वर्ष 2016 के सिंहस्थ के दौरान प्रदेश की सत्ता पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथों में थी। अब 2028 में इन सारे इंतजाम पर डॉ. मोहन यादव की निगरानी रहेगी।

पीएम मोदी बोले- भ्रष्टाचारियों से पाई-पाई वसूलेंगे...

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण के तहत राजधानी में होने वाली वोटिंग से पहले बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारका इलाके में एक रैली की। पीएम मोदी ने कहा कि शराब घोटाले की कमाई हो या फिर नेशनल हेराल्ड घोटाला हो, भ्रष्टाचारियों से पाई-पाई वसूली की जाएगी। उन?होंने कहा कि जिसने लूटा है उसे लौटाना ही पड़ेगा। कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए उन?होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार भारत के लोगों ने स्पष्ट रूप से कांग्रेस मॉडल और भाजपा मॉडल का फर्क देखा है। पीएम मोदी ने रैली में लोगों से कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों को न आगे की सोचने की फुर्सत है और न ही क्षमता है। इन लोगों ने 60 साल तक भारत के सामर्थ्य के साथ अन्याय किया है। मैं कहूंगा कि इन लोगों ने आपराधिक कृत्य किया है। 140 करोड़ का इतना बड़ा देश, भारत को जो स्पीड चाहिए, जो स्केल चाहिए वो एकमात्र भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही दे सकती है। पीएम मोदी ने आगे कहा, कांग्रेस हर दिन 12 किलोमीटर ही हाइवे बनवा पाती थी, जबकि मोदी सरकार हर रोज करीब 30 किलोमीटर हाइवे बनवा रही है। कांग्रेस 60 साल में ज्यादा से ज्यादा 70 एयरपोर्ट बनवा पाई थी, मोदी ने 10 साल में 70 नए एयरपोर्ट बनाकर जोड़ दिया। कांग्रेस 60 साल में 380 मेडिकल कॉलेज बनवा पाई, जबकि मोदी ने सिर्फ 10 साल में सवा तीन सौ से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज बनवा दिए। कांग्रेस के समय 7 एम्स थे, आज 22 से अधिक एम्स हैं। कांग्रेस के राज में 75 प्रतिशत से ज्यादा लोगों के पास नल कनेक्शन नहीं था, आज 75 प्रतिशत लोगों के घर में नल से जल आ रहा है। कांग्रेस ने 60 साल में 14 करोड़ से भी कम गैस कनेक्शन दिए थे, मोदी ने अपने 10 साल में 18 करोड़ से ज्यादा नए गैस कनेक्शन दिए हैं।

राहुल गांधी बोले- अग्निवीर योजना को फाड़ देंगे

महेंद्रगढ़। लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण के लिए चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बुधवार को हरियाणा के महेंद्रगढ़ पहुंचे और यहां जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा, अगर इंडी गठबंधन की सरकार आई तो सबसे पहले अग्निवीर योजना को फाड़ देंगे। उसे कूड़ेदान में फेंक देंगे और शहीदों के परिवार को हर तरह की सुविधाएं भी मिलेंगी। राहुल ने आगे कहा कि पीएम मोदी ने पहली बार हिंदुस्तान के जवानों को मजदूर में बदल दिया है। मोदी सरकार के अनुसार अनुसार दो तरीके के शहीद होंगे। एक सामान्य जवान या अफसर जिसके परिवार को पेंशन मिलेगी, शहीद का दर्जा मिलेगा। दूसरा गरीब घर का बेटा जिसको अग्निवीर नाम दिया है। सेना इसे नहीं चाहती थी, यह मोदी सरकार की योजना है। राहुल आगे बोले, इंडी गठबंधन की सरकार आएगी, अग्निवीर योजना को उठाकर हम कूड़ेदान में फेंक देंगे। अगर हरियाणा का युवा शहीद होगा, चाहे वो कोई भी हो, एक ही तरीके के शहीद होंगे। हिंदुस्तान की सरकार सबकी रक्षा करेगी। वहीं, सोनीपत की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा कि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी का कानून बनाया जाएगा। साथ ही उन्हें कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिए कर्ज माफी कमीशन का गठन होगा। मोदी सरकार ने 10 साल में बड़े-बड़े उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रूपया कर्जा माफ किया है। लेकिन कांग्रेस देश का पेट पालने वाले किसानों का कर्जा माफ करेगी। राहुल गांधी इतने पर ही नहीं रूके उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पढ़े-लिखे युवाओं को पहली पक्की नौकरी का अधिकार भी देने जा रही है। इसके तहत देश के तमाम शिक्षित युवाओं को 1 साल के लिए एक लाख रुपये की अप्रेंटिसशिप दी जाएगी।

11वीं में बीच सत्र में विषय नहीं बदल सकेंगे विद्यार्थी

भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बड़ा फैसला लिया है। अब तक छात्र 11वीं में शैक्षणिक सत्र के बीच में भी गणित और विज्ञान को छोड़कर कॉमर्स और आर्ट्स स्ट्रीम का चुनाव कर लेते थे, लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर सकेंगे। उन्हें सत्र के बीच में विषय बदलने की इजाजत नहीं होगी। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नए शैक्षणिक सत्र से 11वीं क्लास में विषय परिवर्तन पर रोक लगाने का फैसला किया है। 11वीं में विषय चयन के बाद बीच सत्र में विषयों का बदलाव मान्य नहीं होगा। बता दें कि इस साल करीब 11 लाख छात्र मध्यप्रदेश बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए थे। परीक्षा पास करने के बाद अब ये विद्यार्थी 11वीं में गणित, विज्ञान, कॉमर्स व आर्ट्स स्ट्रीम का चुनाव करेंगे।

ऐसा पहली बार: भारतीय रिजर्व बैंक के बोर्ड ने सरकार को लाभांश लाभांश देने का किया फैसला

देश की नई सरकार को आरबीआई से मिलेगा 2.11 लाख करोड़ का चेक

मुंबई। आम चुनाव 2024 के परिणामों के बाद देश में बनने वाली नई सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से बड़ा तोहफा मिलेगा। केंद्रीय बैंक के बोर्ड ने पहली बार सरकार को लाभांश के रूप में 2.11 लाख रुपएदेने का फैसला किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार की बैठक में वित्त वर्ष 2024 के लिए केंद्र सरकार के लिए 2.11 लाख करोड़ रुपए के लाभांश को मंजूरी दी, जो वित्त वर्ष 23 की तुलना में लगभग 141 प्रतिशत अधिक है। मुंबई में

बुधवार को आयोजित केंद्रीय बोर्ड की 608वीं बैठक के दौरान केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल ने दृष्टिकोण के जोखिम सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान बोर्ड ने सरकार को 2,10,874 करोड़ रुपए का अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपए के अब तक के सर्वाधिक लाभांश भुगतान को मंजूरी दी। आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश या अधिशेष हस्तांतरण के तौर पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 87,416 करोड़ रुपए दिए गए गए थे। इससे पहले 2018-19 में सबसे अधिक 1.76 लाख करोड़ रुपए की राशि आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश के तौर पर दी गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में बुधवार को मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 608वीं बैठक आयोजित की गई। बोर्ड ने वर्ष अप्रैल 2023- मार्च 2024 के दौरान रिजर्व बैंक के कामकाज पर भी चर्चा की और वर्ष 2023-24 के लिए रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों को मंजूरी दी। समिति ने सिफारिश की है कि आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) के तहत जोखिम प्रावधान आरबीआई की बैलेंस शीट के 6.5 से 5.5 प्रतिशत की सीमा के भीतर बनाकर रखा जाए। केंद्र सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे या व्यय और राजस्व के बीच अंतर को 17.34 लाख करोड़ रुपए (जीडीपी का 5.1 प्रतिशत) पर रखना है।

सिंगल कॉलम

मौलाना ने जबरदस्ती पढ़वा दिया निकाहनामा, धमकाया

इंदौर। *इंदौर के आजाद नगर में एक मौलाना ने महिला को धमका कर फर्जी शादी करवा दी। जबरदस्ती कागजों पर साइन करवा लिए। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में फर्जी निकाह नामा, फोटो और मौके पर तैयार किए गए डॉक्यूमेंट जब्त किए हैं। वहीं कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आजाद नगर टीआई नीरज मेढ़ा के मुताबिक चंपाबाग में रहने वाली नूर बानो ने शिकायत की है। उसकी शिकायत पर शकील उर्फ गब्बर पुत्र मोहम्मद सिद्दीकी मुल्तानी, मौलाना शम्स तबरेज, इमाम और शमीम बी पर जबरन शादी करवाने और ब्लैकमेल करने का केस दर्ज किया है। नूर बानो ने बताया कि वह विधवा है। परिचित महिला शमीम बी उसे कपड़े खरीदने का कहकर आजाद नगर ले गई। यहां एक मकान में ले जाकर कहा कि उसकी बहन का घर है। यहां एक मौलवी सहित करीब 7 से 8 लोग पहले से बैठे थे। इतने लोगों को देखकर मैं डर गई। शमीम ने मुझे चुप रहने के लिए कहा। इसके बाद मुझे दुल्हन की जगह बैठाकर निकाहनामा पढ़ा जा रहा था। लेकिन मैंने निकाह कबूल नहीं किया तो मुझे धमकी दी गई। वहां मौजूद सभी लोगों ने पूरे घटनाक्रम के फोटो-वीडियो भी बनाए। वहां दूल्हा बनकर बैठा शकील मुल्तानी मुझे जबरदस्ती अपने साथ ले जाने लगा। उसने मुझे धमकी दी कि मेरे साथ चलो नहीं तो फोटो-वीडियो समाज और सोशल मीडिया पर वायरल करके बदनाम कर देगा। जैसे-तैसे वह शकील के छूट कर भागी। उसका कारखाना घर के पास ही है इसलिए वह रोज परेशान करता है। इस कारण अपना घर छोड़कर भाई के यहां रहना पड़ रहा है।*

खजराना में थाने के स्टाफ की देखरेख में चल रहा 11 लाख का सट्टा पकड़ा

इंदौर। *इंदौर के खजराना में परदेशीपुरा थाने के ट्रेनी आईपीएस ने सट्टे के अड्डे पर कार्रवाई की है। यहां से करीब 11 लाख से अधिक नगद बरामद हुए है। बताया जाता है कि स्थानीय पुलिस की देखरेख में पूरा काम चल रहा था। जिस पर डीसीपी-जोन 2 के निर्देश पर दूसरे थाने से कार्रवाई की गई है। डीसीपी-जोन 2 अभिनव विश्वकर्मा के मुताबिक खजराना इलाके के अशरफी नगर में बड़े स्तर पर मटके के सट्टे की सूचना मिल रही थी। इसके बाद यहां परदेशीपुरा के आईपीएस नरेन्द्र रावत और टीआई पंकज द्विवेदी को रेड करने भेजा गया। यहां खुले तौर पर टेबल रखकर सट्?टा पर्चियां तैयार की जा रही थी। अफसरों ने यहां से रईस, आलम, सलीम और मुन्नवर को पकड़ा है। वही करीब 11 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। इस मामले में डीसीपी जोन 2 अभिनव विश्वकर्मा अब थाना प्रभारी ओर स्टाफ की भूमिका को लेकर सट्टे के मामले में जांच कर रहे है। शहर में काफी समय बाद इतने बढ़े पैमाने पर सट्टे को लेकर कार्रवाई की है।*

देश के 362 शिक्षण संस्थानों के सर्वे में इंदौर की यूनिवर्सिटी को 14वां स्थान

इंदौर। *इंदौर ने शिक्षा क्षेत्र में एक और तमगा हासिल किया है। देशभर की 362 शिक्षण संस्थानों में इंदौर की मेडिकल यूनिवर्सिटी को 14वां स्थान प्राप्त हुआ है। देश के 17 शहरों में किए गए सर्वे के आधार पर टॉप 20 संस्थानों में इंदौर का नाम है। द वीक और हंसा रिसर्च के सर्वे 2024 में देशभर की रैंकिंग में इंदौर की मेडिकल यूनिवर्सिटी को टॉप 20 में स्थान मिला है। बता दें कि देश के 362 प्रतिष्ठित शासकीय और निजी शिक्षण संस्थानों को इस सर्वे में शामिल किया गया था। सर्वे में मप्र की एकमात्र मेडिकल यूनिवर्सिटी मेडिकल एजुकेशन, रिसर्च में मालवांचल यूनिवर्सिटी ने 14वां नंबर हासिल किया है। सर्वे देश के 17 शहरों में किया गया है। इसमें दिल्ली, एनसीआर, चंडीगढ़, लखनऊ, जयपुर, इंदौर, हैदराबाद, बैंगलूरू, चेन्नई, कोच्चि, कोलकाता, पुणे, मुंबई व अन्य शहर शामिल हैं। सर्वे में मेडिकल यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान दिल्ली एम्स ने हासिल किया। सर्वे में देशभर के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी को विभिन्न मापदंडों पर परखा गया है। इनमें ओवरऑल इन्फ्रास्ट्रक्चर व सुविधाएं, यूनिवर्सिटी इन्वायरमेंट व रिसर्च और इनोवेशन को शामिल किया। कुलपति डॉ. संजीव नारंग ने बताया कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि संस्थान राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कार्य कर रहा है और यहां उपलब्ध सेवाओं की उत्कृष्टता में लगातार वृद्धि हो रही है। हमने मेडिकल क्षेत्र की जरूरतों के हिसाब से सिलेब्स को निरंतर अपडेट किया है। आज हमारे छात्र एम्स से लेकर देश के विभिन्न अस्पतालों में कार्य कर रहे हैं।*

एमवाय अस्पताल में वकील ने गार्ड को थप्पड़ मारा, मचा हंगामा

इंदौर। *इंदौर के एमवाय अस्पताल में मंगलवार देर रात फिर एक विवाद ने तूल पकड़ लिया। यहां अपने पिता का उपचार कराने आए वकील की गार्ड से बहस हो गई। इस दौरान वकील ने गार्ड को थप्पड़ मार दिया। इसे लेकर अस्पताल में मौजूद सीएमओ की वकील से बहस हो गई। मामला बढ़ता देख पुलिस को बुलाया गया। वकील का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद गार्ड ने पुलिस से लिखित शिकायत की है।*

बच्चों की एक और दवा के सैंपल अमानक

दूसरी जांच रिपोर्ट दबाने के आरोप

सिटी चीफ इन्दौर

प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर का दवा उद्योग सवालों के घेरे में है। दवा के सैंपल एक के बाद एक फेल हो रहे हैं। अब बच्चों की खांसी की दवा के सैंपल राज्य की टेस्टिंग लैब में अमानक करार दिए गए हैं। दवा कंपनी ने कोर्ट के जरिए जांच रिपोर्ट को चुनौती दी है। जांच के लिए सैंपल दोबारा कोलकाता की सेंट्रल ड्रग टेस्टिंग लैब में भेजे गए। सूत्रों के अनुसार कोलकाता की लैब से भी दवा की जांच रिपोर्ट आ चुकी है, लेकिन प्रदेश के अधिकारी इसे सार्वजनिक करने से बच रहे हैं। मामले पर अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। बता दें कि अफ्रीकी देश कैमरुन में निर्यात की गई बच्चों की दवा नैचर कोल्ड पर विवाद हुआ था। दवा का निर्माण इंदौर की कंपनी रिमन लैब ने किया था। इसके बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने इंदौर में दवा निर्माण इकाइयों के साथ कच्चा माल सप्लाय करने वाली एजेंसियों पर भी जांच शुरू की थी। सवालों के घेरे में आई दवा कंपनी से दवा के सैंपल भी लिए गए थे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार भोपाल की स्टेट ड्रग टेस्टिंग लैब में दवा को अमानक माना गया। इसके बाद शासन ने केस दर्ज करवाने के लिए लिखा। कोर्ट के सामने

कंपनी ने शासन की जांच रिपोर्ट को चुनौती दी। इस पर जांच कोलकाता की लैब को भेजी गई। सूत्रों के अनुसार कोलकाता से जांच रिपोर्ट स्थानीय अधिकारी को मिल गई है। शासन ने पहले ही इस दवा कंपनी रिमन लैब को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की गाइडलाइन का पालन नहीं करने के चलते सील कर उत्पादन बंद करवा दिया था। बीते दिनों इंदौर पहुंचे भारत के ड्रग कंट्रोलर राजीवसिंह रघुवंशी ने भी कहा था कि मानकों के पालन के लिए सख्ती बरती जाएगी और अमानक दवा बनाने वालों पर कार्रवाई चलती रहेगी।

एक मामले में सजा, कच्चे माल पर सवाल

इससे पहले इंदौर की दवा कंपनी क्रेस्ट लेबोरेटरीज प्रालि के एमडी अनिल सबरवाल को जामतारा (झारखंड) की कोर्ट ने एक साल की सजा सुनाई थी। इस कंपनी की दवा (बच्चों को बुखार में दी जाने वाली पैरासिटामाल ओरल सस्पेंशन) को अमानक करार दिया गया था। सरकारी अस्पताल को यह दवा इंदौर की कंपनी ने आपूर्ति की थी। तीन दिन पहले इसी कंपनी की ऐसी ही दवा के जबलपुर से लिए गए सैंपल भी फेल हो चुके हैं। अब इंदौर की एक और कंपनी द्वारा निर्मित दवा अमानक पाए जाने की जानकारी सामने आ रही है। राज्य की रिपोर्ट की ही पुष्टि कोलकाता की लैब से भी हो जाती है तो निर्माता पर आपराधिक प्रकरण दर्ज होगा। बताया जा रहा है कि इंदौर में कोविड काल के बाद से दवा निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल में बड़े पैमाने पर हेरफेर की गई। इंडस्ट्रियल या कमर्शियल ग्रेड के कच्चे माल को फार्मा ग्रेड का बनाकर आपूर्ति की गई। इसके चलते उससे बनने वाली दवा की गुणवत्ता प्रभावित हुई।

इंदौर में केंद्र व राज्य की टीमें कच्चा माल आपूर्ति करने वाले डीलरों फार्मेशिया ड्रग, निकेम ड्रग, वियाली इंटरनेशनल, प्रियाना, सेलवेल फार्मा समेत कई अन्य जगह जांच व रिकार्ड लेने पहुंची थी। हालांकि अब तक कच्चे माल की जांच को लेकर किसी भी तरह की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है।

मांग- आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं हो

नियमानुसार सैंपल फेल के बाद दवा निर्माता पर आपराधिक प्रकरण दर्ज होता है। इस बीच इंडियन ड्रग मैन्युफेक्चर्स एसोसिएशन (इडमा) के स्टेट चेयरमैन परेश चावला ने कहा है कि मानवीय भूल किसी भी कारोबार में हो सकती है। दवाओं के मामले में भी ऐसा ही है। किसी की भी मंशा क्या है, यह देखा जाना चाहिए। अमेरिका में भी कई बड़ी-बड़ी दवा कंपनियां दवाएं वापस ले रही हैं। दवा निर्माताओं ने सरकार से मांग रखी है कि ऐसी सामान्य त्रुटियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं होना चाहिए। सरकार ने सहमति दी है। सूचना है कि दिसंबर से नया कानून लागू हो जाएगा।

हुकुमंचद मिल के दो हजार पेड़ काटने की तैयारी

सिटी चीफ इन्दौर

इंदौर। स्वच्छता की रेस में नंबर वन पर बने रहने के लिए इंदौर नगर निगम ने कई हरे भरे पेड़ काट डाले। नतीजा शहर में ऑक्सीजन खत्म हो रही है। इंसानों की तुलना में पेड़ों की आबादी 33त्न होना चाहिए परंतु इंदौर में 19त्न रह गई है। यह बड़ी चिंता का विषय है कि इंदौर शहर में जनसंख्या के अनुपात में हरियाली बढ़नी चाहिए थी, लेकिन लगातार पेड़ काटे जा रहे हैं। शहर की जनता भीषण गर्मी से परेशान है। इन सबके बीच शहर के बीचों बीच बने हुकुमचंद मिल के मिनी फॉरेस्ट को खत्म करने की शुरुआत हो चुकी है। यह जमीन हाउसिंग बोर्ड को दे दी गई है जहां पर कई बड़े प्रोजेक्ट बनाए जाएंगे। हाउसिंग बोर्ड ने दो हजार से अधिक पेड़ों को काटने के लिए सूचीबद्ध कर लिया है और यह काउंटिंग जारी है। यहां पीपल, बरगद, नीम, चंदन के हजारों पेड़ हैं। शहर की जनता सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन कर रही है और कई संस्थाएं अब विधिवत आंदोलन की तैयारी कर रही हैं।

पेड़ों को काटने के लिए नंबरिंग हुई

हुकुमचंद मिल में हाउसिंग बोर्ड ने दो हजार से अधिक पेड़ों को काटने के लिए नंबरिंग कर दी है। सभी पेड़ों पर नंबर लिख दिए गए हैं। अभी हाउसिंग बोर्ड सूची बना रहा है फिर यह सूची नगर निगम के उद्यान विभाग को देगा। यहां पर छोटे बड़े पांच हजार से अधिक पेड़ हैं लेकिन बड़े पेड़ों की सूची में सिर्फ छह सौ से एक हजार पेड़ों को माना जा रहा है। जिनके तने एक निश्चित मोटाई से अधिक के हैं। इसमें भी उद्यान विभाग मौका मुआयना करने के बाद तय करेगा कि कितने पेड़ कटेंगे।

मिल में पेड़ कटाई से यह होगा नुकसान

-शहर का प्रमुख ऑक्सीजन जोन खत्म होगा
-यहां के कुएं, बावड़ी बंद किए जाएंगे
-हजारों पक्षियों का बसेरा खत्म होगा
-इंदौर में बोरिंग का पानी और कम होगा
- शहर के तापमान में और भी अधिक इजाफा होगा

अभ्यास मंडल मिनी फॉरेस्ट बनाना चाहता था

अभ्यास मंडल के शिवाजी मोहिते का कहना है कि हमने हुकुमचंद मिल का दौरा किया था और प्रशासन से मांग की थी कि इसे मिनी फॉरेस्ट के रूप में डवलप करें। अब उसे हाउसिंग बोर्ड को दे दिया गया है और

वह वहां पर प्रोजेक्ट लाएगा। वह शहर का सबसे खूबसूरत हरियाली से भरा क्षेत्र है।

जनहित पार्टी ने शुरू किया आंदोलन

जनहित पार्टी ने हुकुमंचद मिल के इन पेड़ों को बचाने के लिए आंदोलन शुरू कर दिया है। जनहित पार्टी के संस्थापक अभय जैन ने बताया कि हम लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे इन पेड़ों को बचाने के लिए आगे आएं। हम आंदोलन करेंगे, धरना देंगे और कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे।

उद्यान विभाग के दरोगा ने यह कहा

उद्यान विभाग के दरोगा आशीष चौकसे ने बताया कि यहां पर छोटे बड़े पांच हजार से अधिक पेड़ हैं। हाउसिंग बोर्ड अभी पेड़ों की सूची बना रहा है। दो हजार से अधिक पेड़ों पर नंबर लगाए गए हैं। अभी हमें फाइनल सूची नहीं दी गई है। सूची मिलने के बाद उद्यान विभाग की टीम मौका मुआयना करेगी और फाइनल करेगी कि कितने पेड़ काटे जाएंगे।

पर्यावरणविदों की बढ़ी चिंता

पर्यावरणविद् ओपी जोशी ने कहा कि शहर के बीच में बने यह ऑक्सीजन जोन बेहद कीमती हैं। सैकड़ों साल पुराने पेड़ों का विकल्प नए पौधे नहीं हो सकते। विदेशों में पेड़ों को बचाना सरकारों की प्राथमिकता होती है। इंदौर में भीषण गर्मी और भूमिगत जलस्तर खत्म हो चुका है। प्रशासन को प्रयास करना चाहिए कि इन बेशकीमती पेड़ों को बचाया जाए। यही शहर की असली संपत्ति हैं।

सैकड़ों मोर, कबूतर, गिलहरी का बसेरा

हुकुमंचद मिल परिसर में एक राम हनुमान मंदिर भी बना है। इस मंदिर में विजय रामदास महाराज चार पीढ़ीयों से सेवा कर रहे हैं। हुकुमचंद सेठ ने उन्हें यहां पर मंदिर बनाने की जमीन दी थी। उन्होंने बताया कि यहां पर सैकड़ों मोर, कबूतर, गिलहरी, गाय, बकरी आदि जानवर रहते हैं। यहां पर हजारों पेड़ हैं और कई पेड़ सैकड़ों साल पुराने हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में गर्मी से परेशान लोग ठंडक और सुकून के लिए यहां पर आते हैं।

सालभर में काटे 4000 से ज्यादा पेड़

इंदौर के पांच प्रमुख चौराहों पर ब्रिज बन रहे हैं। इनमें से दो ग्रीन बेल्ट पर ही आकार ले रहे हैं। ब्रिज निर्माण में बाधक 4000 से ज्यादा पेड़ों को काटा गया। खजराना चौराहा और फूटी कोठी चौराहा पर ब्रिज के लिए ग्रीन बेल्ट का बड़ा हिस्सा उजाड़ा गया।

पहले यहां भी काटे गए पेड़

-विजयनगर चौराहे पर पुराने आरटीओ की 200 करोड़ की करीब छह हेक्टेयर जमीन आईडीए के पास है। यहां 25 साल से ज्यादा आयु के 150 से ज्यादा हरे-भरे पेड़ थे। निगम ने सारे पेड़ों पर आरी चलवा दी।
-नेहरू पार्क को रिडेवलपमेंट के नाम पर ऑफिस पार्क बना दिया गया। पेड़ों को काटकर उसकी जगह स्मार्ट सिटी के साथ स्वच्छ भारत मिशन के ऑफिस बना दिया गया।
-1918 में नौलखा क्षेत्र हरियाली के लिए आरक्षित था। यहां औषधीय बाग, नवगृह बाग थे। उस समय 9 लाख से भी ज्यादा पेड़ थे।
-पश्चिम क्षेत्र के विश्राम बाग और फलबाग में हजारों पेड़ रिडेवलपमेंट के नाम काट दिए।

धूप से बचने के लिए चौराहों पर लगाई ग्रीन नेट

सिटी चीफ इन्दौर

इंदौर के प्रमुख मार्गों के सिग्नल रेड होने पर वाहन चालकों को प्रचंड गर्मी में एक से डेढ़ मिनट तक खड़े रहना पड़ता है। सिग्नल पर कई चार पहिया वाहन भी खड़े रहते हैं। इन वाहनों के इंजन व एसी की गर्मी के चलते उनके आसपास ज्यादा गर्म हवा रहती है। इस कारण चौराहों पर तापमान एक-डेढ़ डिग्री ज्यादा रहता है। इसलिए दूसरे शहरों की तर्ज पर इंदौर में भी चौराहों व सड़कों पर अब धूप से बचने के लिए ग्रीन नेट का सहारा लिया जा रहा है। क्षेत्रीय पार्षद की पहल पर फिलहाल वायएन रोड स्थित लैंटर्न चौराहे पर दो तरफ ग्रीन नेट लगाई गई है। तपती गर्मी में ट्रैफिक सिग्नल पर ग्रीन नेट के नीचे खड़े होकर वाहन चालक राहत महसूस कर रहे हैं। पहले लैंटर्न चौराहे पर पहले काफी पेड़ हुआ करते थे, लेकिन 20 साल पहले बनी बांड सड़क के लिए इस मार्ग से सैकड़ों पेड़ काट गए। गर्मी में लोग पेड़ों की घनी छाया को तरस रहे हैं और विकल्प के तौर पर प्लास्टिक की ग्रीन नेट का सहारा लिया जा रहा है। बीते तीन दिनों से इंदौर में पारा 41 डिग्री से ज्यादा है और दोपहर में जो लोग काम के सिलसिले में घरों से निकल रहे हैं, उन्हें तेज गर्मी और उमस से परेशान होना पड़ रहा है। धूप से बचाव के लिए ग्रीन नेट का प्रयोग अन्य चौराहों पर भी नगर निगम और पुलिस का ट्रैफिक विभाग कर सकता है।

रायपुर, भिलाई समेत कई शहरों में लगे ग्रीन नेट

रायपुर, भिलाई समेत देश के कई शहरों में चौराहों पर इस तरह की ग्रीन नेट लगाई गई है। इंदौर के 56 दुकान क्षेत्र के व्यापारियों ने ग्राहकों की सुविधा के लिए पूरी 56 दुकानों पर इस तरह की नेट लगाई है।

सुबह 8 बजे तेज धूप और 11 बजे से चलने लगती है लू

सिटी चीफ इन्दौर

बुधवार को इंदौर में 7 साल बाद इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को 43.4 डिग्री पारा रिकॉर्ड हुआ। इस दौरान गर्म हवा के थपेड़े और उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। रात का तापमान भी 29 डिग्री पर पहुंच गया। पिछले 7 सालों में मई महीने का ट्रेंड देखा जाए तो 19 मई 2016 को तापमान 44.5 और 13 मई 2022 में 43.3 रिकॉर्ड किया गया था।

बुधवार को पूर्वी इंदौर का पारा 44 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पश्चिमी इंदौर का पारा 43.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। पूर्वी इंदौर का पारा कृषि कॉलेज और शहर के पश्चिमी हिस्से का पारा एयरपोर्ट पर रिकॉर्ड किया जाता है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एचएल खापडिया (एग्रीकल्चर कॉलेज) का कहना है कि लोकल सिस्टम का भी असर है। इस कारण पूर्वी क्षेत्र में तापमान दो **दिनों से 44 डिग्री सेल्सियस पर है।**

शहर में गर्मी के हालात यह हैं कि सुबह 8 बजे ही तेज धूप तो 11 बजे से ही लू कि स्थिति बन जाती है। पिछली बार ऐसा बिल्कुल नहीं था। हालांकि मंगलवार को तापमान में हल्की गिरावट आई। पूर्वी क्षेत्र का तापमान 43 डिग्री और पश्चिम क्षेत्र का तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। आंकड़े बताते हैं कि मई के पहले ही सप्ताह में तापमान 40 डिग्री छू गया था, जो अब उतार-चढ़ाव के साथ 43 डिग्री पार कर गया है। इंदौर के ही पूर्वी इलाके में तो 44 तक पहुंच चुका है। पिछले साल मई में मात्र एक बार तापमान 43 डिग्री के करीब पहुंचा था।

यह है गर्मी बढ़ने का कारण

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह के मुताबिक 25-26 मई तक मौसम ऐसा ही रहेगा। इसमें दिन का तापमान 43 से 44 डिग्री तक रहेगा। इसके बाद वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से नौतपा में राहत मिल सकती है। अभी एक चक्रवाती घेरा सक्रिय है। इसके साथ ही एक वेस्टर्न और टर्फ लाइन गुजर रही है। इस वजह से अगले 24 घंटे में पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में धूल भरी हवाएं चलेंगी। उत्तरी-पश्चिमी हिस्से में गर्म हवाएं चलेंगी।

पीने के पानी को तरस गया इंदौर, ट्यूबवेल सूख गए

सिटी चीफ इन्दौर

इंदौर में गर्मी के तेवर लगातार तीखे हो रहे है। इस कारण जलसंकट भी गहराने लगा है। शहर के निजी व सार्वजनिक बोरिंग साथ छोड़ने लगे है। ज्यादातर बोरिंगों में पानी की दबाव कम हो चुका है। इस कारण अब टैंकरों की डिमांड बढ़ गई है। कई अपार्टमेंट में तो रहवासी टैंकर खरीदने को मजबूर है।

शहर का 75 प्रतिशत इलाका नर्मदा के पानी के भरोसे है। इस माह चार बार पंपों में खराबी आने के कारण शहर की जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है और शहरवासियों को जलसंकट का सामना करना पड़ा। शहर में नर्मदा से 500 एमएलडी पानी आता है,लेकिन पंपों की खराबी के कारण टंकियां पूरी नहीं भर पा रही है और नल कम दबाव से आ रहे है।

पश्चिम क्षेत्र की छह टंकियां यशवंत सागर तालाब के पानी से भरी जाती है। तालाब में 16 फीट पानी है, जो मानसून आने तक

जलापूर्ति के लिए पर्याप्त है, लेकिन जिन 25 प्रतिशत क्षेत्रों में नर्मदा लाइन नहीं है, वहां टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है।

शहर में 300 से ज्यादा टैंकरों से जल वितरण हो रहा है। चंदन नगर, बाणगंगा, देव नगर, गणराज नगर, मुसाखेड़ी जैसे इलाकों में ज्यादा जलसंकट है। जल कार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने बताया कि बड़े वार्डों में तीन से चार टैंकर दिए गए है। रात के समय भी जल वितरण कराया जा रहा है। बोरिंग सूखने के कारण टैंकरों की डिमांड ज्यादा आ रही है।

मध्य प्रदेश के 16 जिलों में 100 100 घरों पर लगाए जाएंगे सोलर

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 100 -100 घरों पर सोलर रूफटाप प्लांट लगवाए जाएंगे। इसके लिए मध्यप्रदेश में बिजली कंपनी द्वारा कवायद शुरू कर दी गई है। आचार संहिता खत्म होते ही इस काम में तेजी आएगी।कंपनी ने अपने कार्य क्षेत्र के 16 जिलों के 400 वितरण केंद्र प्रभारियों को लक्ष्य तक दिया है। इन केंद्र प्रभारियों जूनियर इंजीनियर (जेई) को 100 - 100 घरों पर सोलर रूफटाप लगवाना होंगे।इन सभी के सहयोग के लिए मददगार कर्मचारियों की एक टीम भी तैयार की गई है। बता दें कि नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के ज्वाइंट डायरेक्टर इस संबंध में सभी डिस्काम के अधिकारियों की बैठक ले चुके हैं। इसके बाद से ही मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भी केंद्र की इस योजना पर मप्र में काम शुरू कर दिया है। सोलर प्लांट लगवाने के लिए उपभोक्ता को सात प्रतिशत ब्याज दर पर बैंकों से लोन भी दिया जाना तय हुआ है।

इन 16 में काम करेगी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पीआरओ मनोज द्विवेदी ने बताया कि कंपनी के अंतर्गत आने वाले सभी 16 जिलों में इस योजना पर काम किया जा रहा है। इनमें भिंड, मुरैना, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, राजगढ़, विदिशा, अशोक नगर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, रायसेन, सीहोर और भोपाल शामिल हैं।

पांच वर्ष में वसूल हो जाएगी लागत, इसके बाद बिजली मुफ्त

एक मध्यमवर्गीय परिवार में हर महीने 350-400 यूनिट बिजली की खपत होती है। ऐसे परिवारों के लिए तीन किलोवाट का प्लांट लगाया जाता है, जिसमें करीब 360 यूनिट बिजली बनती है। इस प्लांट को लगवाने में उपभोक्ता को लगभग दो लाख रुपये तक का खर्च आता है। इसमें केंद्र सरकार 78 हजार रुपये सब्सिडी के रूप में खाते में लौटा देती है। यानी इस प्लांट का खर्च करीब सवा लाख रुपये आएगा। इसे यदि मासिक बिजली बिल से जोड़ेंगे तो पूरी लागत पांच वर्ष में निकल आएगी। इसके बाद इस्तेमाल होने वाली बिजली मुफ्त रहेगी। इसके एवज में केवल फिक्स चार्ज देना होगा, जो करीब 300-350 रुपये मासिक होता है।

क्या है पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना इसी वर्ष 22 जनवरी को घोषित की गई है । इसके तहत करीब एक करोड़ लोगों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना से गांव-शहरों में रूफटाप सोलर प्लांट लगवाने वालों को सब्सिडी दी जाएगी। पहले तीन किलोवाट तक का प्लांट लगवाने पर 45 हजार रुपये तक की सब्सिडी की योजना थी। ये सब्सिडी लाभार्थियों के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी।

होटल में परोसे गए भोजन में निकला काकरोच, ग्राहकों ने किया हंगामा

सिटी चीफ भोपाल।

पुराने शहर में स्थित एक होटल के खाने की थाली में काकरोच निकलने का मामला सामने आया है। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है । थाली में काकरोच निकलने पर ग्राहकों ने जमकर हंगामा कर दिया और होटल की रसोईघर में तक पहुंच गए। इसकी शिकायत खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को भी की गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र दुबे ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। इधर, होटल की तरफ से मामले में पक्ष सामने नहीं आया है। हालांकि, हंगामे के दौरान मैनेजर ने काकरोच की बात से साफ इंकार कर दिया। ग्राहक इब्राहिम अली दाऊदी ने बताया कि मंगलवार देर रात वह अपने दो साथी प्रभु पटेल और सचिन करोड़े के साथ घोड़ा नक्कास स्थित होटल में खाना खाने गए थे। उन्होंने 190 रुपये वाली थाली आर्डर की थी। जैसे ही वेटर ने थाली दी, तो उन्होंने देखा कि सलाद में मरा हुआ काकरोच पड़ा है। इस पर उन्होंने होटल के मैनेजर

के सामने विरोध दर्ज कराया। हालांकि, मैनेजर काकरोच की बात मानने को तैयार नहीं था, लेकिन हमने वीडियो बना लिए थे। जिन्हें खाद्य सुरक्षा प्रशासन को सौंपा हैं। ताकि कार्रवाई हो सके। यह जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है।

मैनेजर ने किया इंकार, ग्राहक बोले सीसीटीवी दिखवा लो

थाली में काकरोच निकलने के बाद ग्राहकों ने काफी देर तक हंगामा किया। उन्होंने इसे लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बताया है। दूसरी ओर, मैनेजर ने ग्राहकों को समझाइश भी दी। मैनेजर का कहना था कि सलाद में काकरोच नहीं है। इस पर ग्राहकों ने होटल में लगे सीसीटीवी फुटेज देखने की बात कही, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

रसोई में पहुंचकर देखी हकीकत

थाली में काकरोच मिलने के बाद ग्राहक होटल के रसोईघर में भी चले गए और सफाई की हकीकत देखी। उन्होंने ग्राहकों को परोसे जा रहे सलाद को भी देखा। इसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

तपती दुपहरी में खेत जोतने गए युवक की गर्मी से मौत

सिटी चीफ भोपाल।

मई के महीने में आग उगलती गर्मी की वजह से अब लोगों की जान पर बन आई है। धूप के थपेड़ों और तेज गर्म हवाओं के बीच राजधानी में गर्मी से एक व्यक्ति की मौत की घटना सामने आई है। मंगलवार को तपती दुपहरी में नीलबड़ में खेत जोतने गया युवक नीलेंद्र मीणा भीषण गर्मी से बेहाल हो गया। खेत पहुंचते ही एकदम से उसकी तबियत बिगड़ना शुरु हुई, जिसके बाद वह एक पेड़ के नीचे लेट गया। परंतु उसकी हालत धीरे-धीरे बिगड़ती चली गई, जिसे देखकर आसपास के लोग उसे अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक के शव को पुलिस ने पीएम के लिए भेजा है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बिशनखेड़ी निवासी 40 वर्षीय नीलेंद्र मीणा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अपने घर से नीलबड़ के लिए निकला था। वहां उसे ट्रैक्टर से किसी व्यक्ति का खेत जोतना था। करीब 12 बजे नीलेंद्र खेत पर पहुंचा, लेकिन तेज गर्मी की वजह से उसकी तबियत अचानक बिगड़ने लगी। कुछ देर आराम करने के लिए नीलेंद्र एक पेड़ की छांव में बैठ गया, लेकिन उसकी तबियत बिगड़ती जा रही थी। खेत में मौजूद खेत के मालिक और उसके नौकरों ने स्थिति बिगड़ती देख आनन-फानन में उसे जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा और संदेह के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

फुटपाथ पर मिला बुजुर्ग का शव

इधर, जहांगीराबाद के पातरा रोड फुटपाथ बरखेड़ी में बुधवार दोपहर करी दो बजे एक 60 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। बताया जा रहा है कि उसका गर्मी से मुंह सूखा हुआ था। शुरुआती जांच में उसकी मौत गर्मी से होना बताई जा रही है।

रिटायर्ड अफसर के घर में घुसे नकाबपोश बदमाश, ललकारा तो खाली हाथ भागे

सिटी चीफ भोपाल।

गांधीनगर थाना इलाके की ऋषि विलास कालोनी में रहने वाले रेलवे के एक सेवानिवृत्त अधिकारी के घर में आधी रात को नकाबपोश चोरों ने धावा बोल दिया। घर में रही खटपट से पहली मंजिल के कमरे में सो रहे बुजुर्ग की नींद खुल गई। इस पर वह कमरे से बाहर आए तो उन्हें एक नकाबपोश बदमाश नजर आया। उन्होंने उस बदमाश ललकारा तो वह पत्थरबाजी करने लगा और थोड़ी देर बाद भाग गया। उसके साथी भी भाग गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। हालांकि इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस छानबीन कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ऋषि विलास कालोनी में रहने वाले सोहेल हाशमी रेलवे से सेवानिवृत्त हुए हैं। 18 मई की रात को वह घर की ऊपरी मंजिल के कमरे में परिवार के साथ सो रहे थे। रात करीब दो बजे खटपट की आवाज से उनकी नींद खुली। उन्होंने ऊपर से झांका तो एक अनजान युवक नजर आया। उन्होंने उसे आवाज लगाई, तो वह पत्थर फेंकने लगा। इस बीच पत्नी ने डायल-100 को फोन लगाया। पुलिस मौके पर आई, तब तक युवक वहां से जा चुका था। घर में लगे सीसीटीवी से पता चला कि युवक के साथ तीन नकाबपोश बदमाश और थे। गांधी नगर थाना प्रभारी सुनील कुमार मेहर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही नकाबपोश बदमाशों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सहारनपुर

डीएम ने जिला एवं महिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण, निरीक्षण में मिले कई चिकित्साधिकारी अनुपस्थित

समय से उपस्थित हों सभी चिकित्सक, रजिस्ट्रेशन काउंटर बढाने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने एसबीडी जिला चिकित्सालय एवं महिला चिकित्सालय का आज औचक निरीक्षण कर चिकित्सालय में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ के कार्य व्यवहार, मरीजों के प्रति आचरण के बारे में भर्ती मरीजों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि भर्ती मरीजों का बेहतर इलाज किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होने कहा कि सभी चिकित्साधिकारी एवं कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर समय से उपस्थित होकर शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें ताकि रोगियों को चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित लाभ मिल सके। चिकित्सकीय परामर्श, पैथोलॉजी जांच, औषधियों का वितरण एवं देखरेख में किसी प्रकार की लापरवाही व कोताही न बरती जाए। मरीजों से मृदु व्यवहार किया जाए। पैरामेडिकल स्टाफ एवं सफाई कार्मिकों का मरीजों एवं तीमारदारों से अच्छा आचरण बर्ताव सुनिश्चित हो। डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा सर्वप्रथम हड्डी रोग विभाग का निरीक्षण किया गया, जिसमें उपस्थित चिकित्सक द्वारा

मरीजों को बाहर की दवाईयाँ लिखी जा रही थी, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा रोष प्रकट करते हुए चिकित्सक को निर्देशित किया कि किसी भी मरीज को दवाईयां बाहर से न लिखी जाये। अस्पताल में उपलब्ध दवाईयां ही मरीज को लिखी जाये। बाल रोग विशेषज्ञ एवं फिजीशियन ओ0पी0डी0 कक्ष का निरीक्षण किया गया, जो व्यवस्थित पाया गया।अल्ट्रासाउण्ड विभाग के निरीक्षण के दौरान अल्ट्रासोनोलॉजिस्ट उपस्थित नहीं था तथा कक्ष बन्द पाया गया, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कडी नाराजगी व्यक्त की गयी। इसके पश्चात एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण किया गया, जहां पर एक्स-रे टैक्निशियन कक्ष में उपस्थित नहीं था किसी अन्य कक्ष में उपस्थित था, जिसको निर्देशित किया गया कि वह एक्स-रे कक्ष में ही उपस्थित रहे, जिससे मरीजों को परेशानी न हो। रजिस्ट्रेशन काउंटर के निरीक्षण में मरीजों की पर्चे बनवाने हेतु 04 लाईन लगी हुई थी, रजिस्ट्रेशन काउंटर बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया, क्योंकि मरीजों की लाईन धूप में खड़ी हुई थी, जिन्हें काफी समस्या हो रही थी। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अधीक्षक, एसबीडी जिला चिकित्सालय उपस्थित नहीं थे। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए कि चिकित्सालय में मरीजों को बेहतर अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। किसी भी मरीज को बाहर से अल्ट्रासाउण्ड न कराना पडे। जिला महिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान ऑक्सीजन प्लांट संचालित पाया गया परन्तु निरीक्षण के दौरान अस्तपाल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका अनुपस्थित थी, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी जताते हुए अस्पताल में समय से उपस्थित होने हेतु कड़ी चेतावनी दी गयी, इसके बाद महिला वार्ड में भर्ती मरीजों से बात की गयी तथा उनके बच्चों को देखा गया व खाने-पीने के बारे में जानकारी ली गयी, जो सही पायी गयी। डॉ0 दिनेश चंद्र ने कहा कि चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में किसी मरीज एवं तीमारदार को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान उन्होंने अस्पताल से मिलने वाली दवाइयों एवं बाहर से लिखी जा रही दवाइयों के बारे में भी मरीजों से विभिन्न प्रकार से सवाल किए। गर्मी से बचाव हेतु चिकित्सालय में समस्त व्यवस्थाओं को दुरूस्त रखा जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजीव मांगलिक, अस्पताल के अधीक्षक, डा0 ए0के0 चौधरी व डा0 धर्मराज मनु, हड्डी रोग विशेषज्ञ सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सहारनपुर में मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में काउन्सिल की आर्बिट्रेशन बैठक हुई सम्पन्न

सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के भुगतान संबंधी व्यवसायिक वादों का किया गया निस्तारण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के भुगतान संबंधी व्यवसायिक विवादों के निस्तारण हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित मण्डलीय सूक्ष्म एवं लघु उद्यम फैसिलीटेशन काउन्सिल की बैठक आयुक्त कार्यालय सभागार में आहूत की गयी। बैठक में 19 सन्दर्भों में सुलह के प्रयास किये गये। काउन्सिल द्वारा एक संदर्भ 50.58 लाख तथा 04 अन्य संदर्भों में पक्षकारों के मध्य एमओयू के आधार पर प्रति संदर्भ 05 लाख के आधार पर कुल 20 लाख का

भुगतान कराया गया। काउन्सिल की आर्बिट्रेशन बैठक में कुल 32 सन्दर्भों में सुनवाई की गयी, जिनमें से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमकर्ताओं के कुल 22 सन्दर्भों में बकाया मूलधन रूपया 2.89 करोड़ पर चक्रवृद्धि ब्याज सहित भुगतान के एवार्ड निर्गत किये जाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अन्जू रानी, अग्रणी जिला प्रबन्धक प्रवीण जमुआर, अनुपम गुप्ता, प्रमोद मिगलानी एवं अन्य सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

सहारनपुर में विकास प्राधिकरण की टीम ने अवैध रूप से किए जा रहे चार निर्माण कार्यों को किया सील

साथ ही 16 दुकानों के डिमार्केशन कार्य को भी किया ध्वस्त

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, विकास प्राधिकरण की टीम ने अवैध रूप से किए जा रहे चार निर्माण कार्यों को सील किया। साथ ही 16 दुकानों के डिमार्केशन कार्य को भी ध्वस्त किया गया। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया कि नवादा रोड पर अंकित विहार कॉलोनी के सामने मिट्टी भराव कर 15 फीट चौड़ी मिट्टी की सड़क बनाते हुए किए गए 16 दुकानों के डिमार्केशन कार्य को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। इसके अलावा बेहट रोड स्थित देव विहार कालोनी में दो मंजिला निर्माण कार्य, गंगोह रोड मानकमऊ में तीन दुकानों के ऊपर प्रथम तल पर एक हॉल का निर्माण कार्य और जनता रोड स्थित अमरदीप कॉलोनी में स्वीकृत मानचित्र के विरुद्ध किए गए निर्माण कार्य को सील किया गया।

साथ ही जनता रोड स्थित अर्पित विहार कॉलोनी में अवैध निर्माण कार्य को भी सील किया गया। इस दौरान अवर अभियंता रोहित कुमार, शमीम अख्तर और सुधीर कुमार,मेट मदनपाल, विश्वास कुमार शर्मा, विजय बिष्ट आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर में नकुड़-सहारनपुर मार्ग पर हुआ सड़क हादसा

हादसे में एक महिला की हुई मौत, दो घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, नकुड़-सहारनपुर मार्ग पर गांव बांदूखेड़ी के पास एक सडक हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव खोसपुरा निवासी ओमकार अपनी पत्नी बबली 54 के साथ बाइक से सहारनपुर जा रहा था। बताया जाता है कि ओमकार ने गांव बांदूखेड़ी के पास एक जूस की दुकान पर जाने के लिए बाइक घुमाई तो पीछे से तेज गति से आ रही बाइक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों पति-पत्नी उछलकर सड़क पर जा गिरे। दूसरी बाइक सवार व्यक्ति पीछे बैठे नाबालिग शमशाद निवासी जाजवा को छोड़कर फरार हो गया। हादसे में दंपती और शमशाद गंभीर रूप से घायल हो गए। फंदपुरी चौकी पुलिस ने एंबुलेंस बुलवाकर तीनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने बबली को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

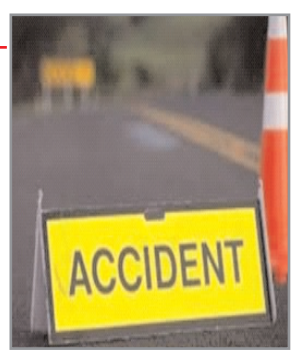

साम्पदकीय

पीएम मोदी के 22 साल के कार्यकाल में निर्विवाद उपलब्धियाँ क्या हैं?

क्या कोई एक राजनेता क़रीब 22 बरस के अपने कार्यकाल में उपलब्धियों की वो 10 तारीखें गिनवा सकता है जो यादगार हों और जिस पर सवाल न उठ सके? क़रीब 12 बरस तक पहले नरेंद्र मोदी किसी सूबे का मुख्यमंत्री रहे और बाद में दस बरस से देश के प्रधानमंत्री हैं। और अब वह एक-दो वर्ष में ही वह 75 वर्ष के हो जाएँगे। तो उनके दस वर्ष के प्रधानमंत्रित्व काल में कम से कम दस तारीखें तो ऐसी होनी चाहिए जिनको लेकर शोधकर्त्ता दावे से कह सकें कि हाँ ये उनके जीवन और कार्यकाल में ही हुआ है और जिसकी सत्यता पर कोई उंगली न उठा सके। दुनिया के सबसे बड़े लोकतान्त्रिक देश के दस बरस तक प्रधानमंत्री का कार्यकाल पूरा कर चुके नरेंद्र मोदी के समूचे व्यक्तिगत और सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में ऐसी दस तारीखों का कोई ब्यौरा तैयार करना कोई रॉकेट साइंस की बात नहीं है। यदि हम उनके मुख्यमंत्रित्व काल को भी इसमें शामिल कर लें, तो इनमें तीन वो तारीखें हैं जब उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली। दो वो विरले दिन हैं जब उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और कम से कम दो या तीन ऐसे अनूठे दिन और हैं जिनका ज़िक्र पूरे विश्वास के साथ किया जा सकता है।पहला वो, जिस दिन रात आठ बजे उन्होंने नोटबंदी की घोषणा की और एक दिन वो जिस दिन आधी रात को संसद खुलवा कर जीएसटी लागू किए जाने के लिए क़ानून दिया गया। आधी रात को एक बड़े आयोजन के अंतर्गत 14 – 15 अगस्त, 1947 की तर्ज़ पर 'जीएसटी' के नाम पर नयी कर व्यवस्था का नया क़ानून बनाया गया। कुछ लोग ये भी मानते हैं कि इसे थोप दिया गया। ये आधी रात को क्यों किया गया इसका कोई भी तर्क न तो सामने आया और न ही शायद किसी विश्लेषक की नज़रों में इस की महत्ता पर विचार किया गया। भाजपा शासन के पिछले दस बरस के इतिहास की ये वो चंद तारीखें हैं।प्रधानमंत्री का प्रचार तंत्र बेशक बहुत सारे आँकड़े सामने रख सकता है कि फलां दिन आर्टिकल 370 हटाया गया और फलां दिन श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गयी या फलां दिन उसका विधिवत उद्घाटन हुआ। लेकिन वही प्रशासन, बावजूद तमाम सुविधाओं और क्षमताओं के आज तक मोदी जी के जीवन से जुड़ी बहुत सी तारीखों की संदिग्धता पर राष्ट्र के सामने एक भी विश्वसनीय आँकड़ा सामने नहीं रख पाया।उन आँकड़ों को छोड़ भी दें तो देश हित में उनके जो प्रयास हैं, चुनाव के समय जो दावे किये जाते हैं, उस पर तो निगाह रखनी चाहिए। ऐसा क्या क्या हुआ।इतने ताकतवर प्रधानमंत्री को चुनाव प्रचार में क्यों मंगलसूत्र, किसी के मांस या मछली खाने या राम मंदिर का सहारा लेना पड़ रहा है?उन्हें क्यों आखिर एक विशाल जनसमूह की मनोभावना को भी इस स्तर पर भुनाने की आवश्यकता पड़ रही है कि अगर भाजपा की सत्ता चली गयी तो वर्तमान में विपक्षी भूमिका निभा रहे राजनीतिक आका उस पर 'बुलडोज़र' चला देंगे?दस बरस तक लगातार बहुमत की सरकार चलाने के बाद भी चुनाव में ठोस मुद्दों का अकाल रहा। उपलब्धियों के नाम पर धार्मिक और बेतुके मुद्दों पर बात की गयी। हर चरण में नए नए ऐसे मुद्दे उठाये गए हैं, जिनका देश की अधिकतर आबादी से कोई सरोकार नहीं है। क्या आज़ादी का अमृतकाल मना रहे इस देश का आम नागरिक इतना अक्षम हो गया है या कर दिया जाएगा कि वो एक ऐसे माहौल में साँस भी न ले सके, जहाँ उसके खान पान, जीवन यापन जैसी आकांक्षाएँ भी राजनीतिक दल द्वारा तय होगा।और किसी भी देश के लिए क्या इस तरह की सामाजिक, राजनीतिक और एक सीमा तक ऐसी आर्थिक परिस्थितियां स्वागत योग्य हैं?

सीटों पर जीत की 'सियासी सट्टेबाजी' और वोटर का विवेक

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न टीवी न्यूज चैनलों को दिए जा रहे इंटरव्यू के बाद अगर किसी साक्षात्कार की चर्चा है तो वो है भाजपा के पूर्व चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की। अपना पुराना धंधा छोड़कर राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि भाजपा का 370 का नारा भले ही अवास्तविक लगे, लेकिन पार्टी 270 से नीचे हरगिज नहीं जा रही। दूसरे अगर बीजेपी 370 के नीचे गई तो निवेशकों को भारी नुकसान होगा।

अगर प्रशांत किशोर के दावे को सही मानें तो देश में मोदी राज 3.0 तकरीबन तय है। उधर पीएम मोदी ने भी कह दिया है कि 400 पार के नारे को आंकड़ों में न पकड़ें, इसका भावार्थ लें कि चुनाव में एनडीए इसके आसपास रहने वाला है। यहां पीके की बात में कुछ दम इसलिए है कि वो भाजपा के अलावा भी कुछ दूसरी विपक्षी पार्टियों के चुनावी रणनीतिकार रह चुके हैं और अब खुद एक जन स्वराज पार्टी के संस्थापक हैं। पीके का चुनाव के करंट को पकड़ने और नापने का अपना तरीका है।

272 का जादुई आंकड़ा

अलबत्ता पीके के इस बयान ने विपक्ष के उस सोशल मीडियाई नरेटिव को तगड़ा झटका दिया है, जिसमें चार चरण बाद ही मोदी की सत्ता से बेदखली के गारंटी के साथ दावे किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा तो क्या समूचा एनडीए भी 272 के जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच रहा, कारण कि पूरे देश में भाजपा और मोदी विरोधी हवा है और इसका सीधा चुनावी फायदा इंडिया गठबंधन को हो रहा है।

यह शायद पहला चुनाव है, जिसमें हर चरण के बाद दोनों मुख्य प्रतिदंद्वी गठबंधनों द्वारा जीत के आंकड़े 'राजनीतिक सट्टेबाजी' की तरह जारी किए जा रहे हैं, जबकि चुनाव के दो चरण अभी बाकी हैं। इस मनोवैज्ञानिक सियासी द्वंद्व का लक्ष्य मानो यह है कि क्लास टेस्ट के अंकों को ही बोर्ड परीक्षा का फाइनल रिजल्ट मान लिया जाए। इसी से समझा जा सकता है कि राजनीतिक रण में मुकाबला कितना कड़ा है।

हकीकत में जनता के मन में क्या है, यह ठीक- ठीक कोई नहीं जानता बल्कि चुनावी रणनीतिकारों की कोशिश तो यह है कि जनता भी उसी वेव लेंथ पर सोचे, जो नेता सरेआम कह रहे हैं। इन तमाम दावों प्रतिदावों के बरक्स एग्जिट पोल सर्वे अभी आने बाकी हैं। वो क्या बताते हैं, यह और भी दिलचस्प होगा।

बहरहाल जनमत की व्याख्याएं मतदान के हर चरण के बाद अलग- अलग तरीके से की जा रही हैं। विपक्षी इंडिया गठबंधन का मानना है कि पांचवे चरण तक आते- आते भाजपा के लिए एक आसान सी लगती प्रेमकथा अब ट्रैजिक स्टोरी में बदलने जा रही है। भाजपा का मानना है कि 'हाथी चले बाजार, कुत्ते भौंके हजार' की तर्ज पर वो और उसका संगठन अपना काम कर रहा है। चुनाव मुद्दों की सर्जिकल स्ट्राइक की बजाए वोटों के 'मैनेज मेंट' से जीता जाता है। नतीजे विपक्षी दावों का मुंह सिल देंगे।

उधर विपक्ष बार- बार यह कह रहा है कि इस बार नतीजे चौंकाने वाले होंगे। वैसे भी अमूमन हर चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले ही होते हैं, हारने वाले के लिए तो होते ही हैं, कई बार जीतने वाले के लिए भी होते हैं। इसमें भी विपक्ष का ट्रिकी फंडा यह है कि अगर इंडिया गठबंधन एनडीए से ज्यादा सीटें जीत सका तो नैरेटिव बनेगा कि जनादेश मोदी और भाजपा के खिलाफ आया है, इसलिए सभी भाजपा विरोधी पार्टियां मिलकर सरकार बनाएंगी। अगर भाजपा फिर भी जीत गई तो ईवीएम पर हार का ठीकरा फोडना तय है। उसे 'जनादेश' की बजाए 'मशीनादेश' कहा जाएगा।

इसी के चलते अपने-अपने इलेक्शन नरेटिव को स्थापित करने के लिए सोशल मीडिया पर काफी मेहनत और पैसा खर्च किया जा रहा है। एक ब्लॉगर ने तो यू-ट्यूब पर चौथे चरण के बाद प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान 'बीबीसी वर्ल्ड' के कथित सर्वे के आधार पर इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित कर डाली। सर्वे के बैक ड्रॉप में बीबीसी वर्ल्ड का लोगो भी दिखाया जा रहा था। लेकिन जब बीबीसी ने अपनी अधिकृत वेबसाइट पर उसके द्वारा ऐसा कोई चुनावी सर्वे नहीं करने की बात स्पष्ट की तो ब्लॉगर ने अपने वीडियो से चुपके से बीबीसी वर्ल्ड का लोगो हटा दिया। लेकिन तब तक उसे डेढ़ लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे। यह डिजिटल दुस्साहस का एक उदाहरण है।

जीत के दावों में कितनी सच्चाई?

यहां सवाल यह कि इंडिया गठबंधन की जीत के दावों में सच्चाई कितनी है? अगर आंकड़ों के आधार पर बात करें तो यह कठिन जरूर है, मगर असंभव नहीं है। इंडिया गठबंधन में कुल 36 दल शामिल हैं और अगर टीएमसी को भी मिला लिया जाए तो यह संख्या 37 होती है। इनमें से कांग्रेस के अलावा 6 पार्टियां ऐसी हैं, जो चुनाव में 5 से लेकर 25 तक सीटें जीतने की स्थिति में हैं।

अगर कांग्रेस चुनाव में अपनी जीती हुई सीटों का आंकड़ा 125 तक ले जा सकी तो बाकी सहयोगियों की मदद से वह किसी तरह 272 तक पहुंच सकती है। लेकिन कांग्रेस के लिए वर्तमान में 52 सीटों का आंकड़ा 125 तक पहुंचाना एवरेस्ट सर करने जैसा है। 'दो लड़कों' की बातों में इतना जबर्दस्त करंट भी नहीं दिख रहा कि जो मोदी विरोधी करंट को डीसी से एसी करंट में तब्दील कर दे।

दूसरी तरफ भाजपा के एनडीए गठबंधन में संख्या के लिहाज से राजनीतिक दल ज्यादा यानी 41 हैं, लेकिन इनमें भाजपा के अलावा कोई पार्टी ऐसी नहीं है, जो अपने दम पर 20 से ज्यादा सीटें निकाल पाए। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि अव्वल तो भाजपा ने आंध्र प्रदेश को छोड़कर सभी जगह ज्यादातर सीटें अपने खाते में रखी हैं।

ऐसे में अगर भाजपा का इंजन अपने ही यार्ड में फेल हो गया तो एनडीए की गाड़ी मैजिक नंबर के आउटर पर जाकर अटक जाएगी। हालांकि ऐसा होने की संभावना कम है। इस चुनाव में कोई आंधी भले नजर न आए, लेकिन बेरोजगारी, महंगाई, विकास, किसानों की नाराजगी, सड़क पानी बिजली, जातिवाद और आरक्षण आदि मुद्दे यथावत हैं।

मोदी और राम मंदिर फैक्टर

इन मुद्दों को मोदी और राम मंदिर फैक्टर किस स्तर तक काउंटर कर पाते हैं, उसी से काफी कुछ चुनाव नतीजे तय होंगे। अमूमन सामान्य मतदाता भी इतना तो समझता ही है कि ये लोकसभा चुनाव देश की सरकार के लिए हो रहे हैं, ऐसे में उसके निजी दुख दर्द के अनुपात में राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर वोट ज्यादा करने की संभावना है। ऐसा विवेक वोटर ने हर चुनाव में दिखाया भी है।

गठबंधन सरकारों के कामकाज, मजबूरियों, अंतर्विरोधों और उससे पैदा होने वाली राजनीतिक अराजकता को भी उसने देखा है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का थोड़ा बहुत अहसास उसे भी है। राष्ट्रहित का अंदाजा उसे भी है। लिहाजा वोटर जो भी जनादेश देगा, अपने विवेक से देगा। वह अनपढ़ हो सकता है, नासमझ नहीं है। हमें उस के विवेक पर भरोसा करना चाहिए। भरोसा करना चाहिए।

इलेक्ट्रिक वाहन-बाधाओं के बावजूद कई वजहों से भारत में ईवी का भविष्य बेहतर, मजबूत सहयोगी तंत्र जरूरी

पिछले कुछ वर्षों से भारत में कार खरीदारी में बदलाव आ रहा है और लोग पेट्रोल-डीजल के प्रभुत्व वाले बाजार से इलेक्ट्रिक वाहनों के नए ब्रांड की तरफ रुख कर रहे हैं। पिछले साल 15 लाख इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। समकालीन उपभोक्ताओं की चाहत और जलवायु परिवर्तन को लेकर नए उत्साह के साथ भारत का खुदरा कार बाजार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को खरीदने और उसे प्रोत्साहित करने के नए चलन को अपना रहा है। लेकिन यह प्रवृत्ति उभरी कैसे और अचानक क्यों जोर पकड़ रही है- यह जानने के लिए भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की क्रांति पर गहराई ने नजर डालने की जरूरत है।

इसके दो कारण हैं। पहला, ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वास्तविक जागरूकता, जो वैसे समृद्ध उपभोक्ताओं को आकर्षित करता है, जो पर्यावरण हितैषी वाहन खरीदने पर ज्यादा पैसा खर्च करने को तैयार हैं। हालांकि पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों और बजट के प्रति जागरूक मध्यम वर्ग भी ईवी क्रांति का लाभ उठा रहा है। टाटा जैसी कार कंपनियों ने ऐसे उपभोक्ताओं की जरूरत को समझा है और इसे पूरा करने के लिए कम लागत वाली टियागो लॉन्च की है। वे ईवी के प्रति बढ़ती दिलचस्पी को लेकर आशान्वित भी हैं। उन्होंने गुरुग्राम में सिर्फइलेक्ट्रिक वाहन का शोरूम खोला है और ईसीई वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन?के सेल्स (विक्रय विभाग) को अलग कर दिया है।

मैं पिछले महीने से किफायती ईवी की तलाश कर रही हूं। उनकी संख्या कम है। यदि आपके पास खर्च करने के लिए ज्यादा रुपये हैं, तो कई विकल्प हैं, लेकिन यदि आप अपना बजट 10 लाख रुपये तक ही रखना चाहते हैं, तो विकल्प सीमित हो जाएंगे। और यह कमी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के बजाय हतोत्साहित करेगी। सरकार ने सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दी है। मेरे मित्र राजीव तुली ई-रिक्शा के व्यवसाय में हैं और इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। भले ही सुनने में अटपटा लगे, लेकिन जलवायु परिवर्तन और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के दौर में ई-वाहन एक अनिवार्यता है। निर्माताओं को किफायती मूल्य में इस मांग को पूरी करने पर ध्यान देने की जरूरत है।

एक अन्य मुद्दा, पेट्रोल पंप की तुलना में चार्जिंग स्टेशन की कमी है। चार्जिंग स्टेशन के विकास पर जोर दिए बिना ई-वाहन भारतीय मोटर चालकों के लिए सपना ही रहेगा। यहां तक कि मुझ जैसे लोगों के लिए भी, जो ईवी को अपनाना चाहते हैं। शुरुआत में एक अकेली महिला चालक के लिए बैटरी चार्जर के बिना ई-वाहन खरीदकर फंसे रहना दुस्वप्न जैसा है।?इन चुनौतियों के बावजूद, मैकिंजे एंड कंपनी के अध्ययन से पता चलता है कि लोग नई कार खरीदते समय पर्यावरण की सततता पर विचार करते हैं, जो सकारात्मक है। इसके अलावा, सरकार के वाहन प्रदूषण नियंत्रण के नियम लोगों को हरित विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

ईवी, जो अपने शून्य-उत्सर्जन और नवीकरणीय अनुकूलता के लिए जाने जाते हैं, इस मानदंड पर खरे उतरते हैं। ईवी का रखरखाव सामान्यत: पारंपरिक वाहनों की तुलना में बहुत कम है, जो ग्राहकों के खर्च में कमी लाकर पसंदीदा विकल्प बन जाता है। ईवी पहले से ही अर्ध-स्वचालित है और निकट भविष्य में यह पूरी तरह स्वचालित होने वाला है। भारत में तेजी से इलेक्ट्रिक और हाईब्रिड वाहनों को अपनाने और विनिर्माण (फेम) ने ईवी अपनाने की प्रवृत्ति में इजाफा किया है। प्रोत्साहन आधारित सब्सिडी योजना ईवी अपनाने और उनके बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश में परिवहन सुविधाओं को 30 फीसदी तक इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना है। यह वित्तीय प्रोत्साहन निर्माताओं और खरीदारों, दोनों की मदद करता है। फेम के दूसरे चरण में सरकार का लक्ष्य देश भर में 2,700 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करना है। हालांकि, अब भी बहुत से भारतीय कार खरीदते वक्त इलेक्ट्रिक कार के प्रति संदेह में रहते हैं। सबसे बड़ी कमी बुनियादी ढांचे की है। हालांकि फेम इस अंतर को पाटने का वादा करता है। किंतु भारतीय ऐसी चीजों में निवेश से हिचकते हैं, जो जल्दी उपलब्ध हो भी सकती है और नहीं भी। जब तक बुनियादी ढांचा विकसित नहीं हो जाता, पारंपरिक वाहनों की तुलना में ईवी को चुनने की संभावना कम है।

इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के फलने-फूलने और बनाए रखने के लिए मजबूत सहयोगी तंत्र जरूरी है। यद्यपि कर छूट, प्रोत्साहन और पर्याप्त जागरूकता है, पर सबसे बड़ी बाधा उस आबादी को समझाना है, जो यथास्थिति बनाए रखने को प्राथमिकता देती है। जलवायु कार्रवाई को लेकर जागरूकता बढ़ी है, फिर भी यह कहना मुश्किल है कि देश के लोग स्थिति की गंभीरता को समझते हैं और तत्काल कार्रवाई के लिए तैयार हैं। अब बड़े पैमाने पर ई-वाहन विज्ञापनदाता भी मानते हैं कि कार चलाने वाली आबादी कुछ हद तक जलवायु कार्यकर्ता हैं, यदि नहीं भी हैं, तो वे इस दिशा की ओर अग्रसर हैं। इसलिए उनके विज्ञापनों का असर काफी कम है, जहां समाज का नवप्रवर्तक व उत्साही वर्ग (समृद्ध लोग) ईवी की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इन आंकड़ों से क्रांति नहीं आने वाली। जल्द ही जब ये नवप्रवर्तक गायब हो जाएंगे, तो हम फिर वहीं पहुंच जाएंगे, जहां से चले थे।

पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतें भी ईवी को काफी हद तक बढ़ावा देने में मदद करती हैं। हालांकि बैटरी चार्जिंग मॉडल और ब्रांड पर भी निर्भर करता है, लेकिन किसी सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट पर कोई भी अपनी कार बैटरी को 400 रुपये से कम में पूरी तरह चार्ज कर सकता है, जबकि एक बार पेट्रोल की टंकी भरवाने की लागत बहुत ज्यादा होती है। मुख्य बाधा बैटरी चार्जिंग में लगने वाले समय की है, जिसमें अभी नियमित रूप से घर में 8 से 12 घंटे लगते हैं। हालांकि नई तकनीकों और तेज चार्जर की वजह से चार्जिंग के समय में कमी आई है।तमाम बाधाओं के बावजूद कई वजहों से भारत में ई-वाहन का भविष्य बेहतर है। तकनीकी प्रगति के साथ-साथ चार्जिंग के बुनियादी ढांचे के विस्तार और वित्तीय प्रोत्साहन देने की सरकार की प्रतिबद्धता ज्यादा से ज्यादा ईवी अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही है।लगातार विज्ञापन, कर प्रोत्साहन जैसी सरकारी योजनाएं और सुलभ बुनियादी ढांचा निश्चित रूप से भारत में ईवी को बढ़ावा देगा। हालांकि इन पर अभी काम होना बाकी है।

बोले- महिला प्रशंसको की भावना आहत नहीं करना चाहता

प्रभास ने अपनी शादी की अफवाहों का किया खंडन

दक्षिण भारतीय अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को लेकर सुर्खियों में बने हैं। प्रशंसक फिल्म का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। फिल्म से अमिताभ बच्चन का लुक सामने आने के बाद लोगों की बेसब्री और भी बढ़ गई। प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन और कमल हासन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस बीच प्रभास के रिलेशनशिप और उनकी शादी की अटकलें तेज हो गईं। इन अफवाहों ने प्रभास के प्रशंसकों की धड़कने तेज कर दी थीं। हालांकि, अभिनेता ने इन अफवाहों का खंडन कर दिया है।

महिला प्रशंसकों की भावना आहत नहीं करना चाहते प्रभास

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'बाहुबली' अभिनेता ने अपनी शादी और रिलेशनशिप की अफवाहों का खंडन कर दिया। उन्होंने 'कल्कि 2898 एडी' के एक आयोजन के दौरान कहा, 'मैं इतनी जल्दी शादी कर के अपनी महिला प्रशंसकों की भावना आहत नहीं करना चाहता हूं।' इससे पहले 'आदिपुरुष' की अभिनेत्री 'कृति सैनन' के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा था। हालांकि, दोनों ने इन अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं अभिनेता

आयोजन के दौरान प्रभास ने आगामी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के बारे में रोचक जानाकारी साझा की। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि वह नाग अश्विन का किरदार निभा रहे हैं, जो उनसे पागलपन भरी हरकतें करवा रहा है। अभिनेता ने आगे कहा, 'मैंने सोचा था कि मैं यहां आ सकता हूं और अपने प्रशंसकों से मिल सकता हूं, लेकिन हमारे नाग (अश्विन) ने कई चीजों की योजना बनाई है। मैं बुज्जी को लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह तीन वर्षों की यात्रा है। मैं इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकता।'

कमल हासन के प्रशंसक हैं प्रभास

प्रभास ने इस आयोजन के दौरान अमिताभ बच्चन और कमल हासन का आभार जताया और कहा, 'महान कलाकार अमिताभ बच्चन और कमल हासन के साथ काम करना मेरे लिए एक सुनहरा अवसर है। मैं कमल सर का बहुत आभारी हूं क्योंकि मैं अपने माता-पिता से कमल सर द्वारा उनकी फिल्मों में पहने गए कपड़े लाने के लिए कहा करता था।' रिपोर्ट्स के मुताबिक 'कल्कि 2898 एडी' 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कान फेस्टिवल में जारी हुआ लव इन वियतनाम का पोस्टर

भारत-वियतनाम के सहयोग से बनी है फिल्म

भारत और वियतनाम की फिल्म इंडस्ट्री ने साथ आकर एक फिल्म का निर्माण किया है। इसे एक ऐतिहासिक कदम के रुप में देखा जा रहा है। यह पहला मौका है जब इन दोनों देश के मनोरंजन उद्योग द्वारा एक फीचर फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म का नाम %लव इन वियतनाम% है, जिसके फर्स्ट लुक पोस्टर को कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया गया है। यह भारत के लिए गर्व करने वाला पल है। मालूम हो कि इस साल कान फिल्म फेस्टिवल 14 मई से शुरू हुआ था और यह 25 मई तक आयोजित होगा।

इन कलाकारों ने किया हैं काम

इस फिल्म में शांतनु माहेश्वरी, अवनीत कौर और वियतनाम की अभिनेत्री खा नगन समेत कई कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे। शांतनु इससे पहले %गंगूबाई काठियावाड़ी% में भी काम कर चुके हैं। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है। बता दें कि %लव इन वियतनाम मैडोना इन ए फर कोट% किताब पर आधारित है। फिल्म का निर्माण ओमंग कुमार, कैप्टन राहुल बाली, तारिक खान और जेबा साजिद ने किया है। अवनीत कौर ने फिल्म के पोस्टर को अपने इंस्टा हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा कि कान फिल्म फेस्टिवल में %लव इन वियतनाम% का फर्स्ट लुक लॉन्च करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। वहीं, शांतनु माहेश्वरी ने अपने इंस्टा हैंडल पर लिखा कि मैं कान में हमारी फिल्म %लव इन वियतनाम% का फर्स्ट लुक जारी करते हुए रोमांचित हूं।

युवा के 20 साल पूरे होने पर बिग बी ने साझा की थ्रोबैक फोटो, अभिषेक बचन के लिए उमड़ा प्यार

अमिताभ बचन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वहीं इस बीच उन्होंने अब अपने बेटे अभिषेक बचन की फिल्म युवा की 20वीं वर्षगांठ मनाई और दिलचस्प यादों का पिटारा खोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा करते हुए अभिषेक बचन के साथ पुरानी प्यारी तस्वीर साझा की। बिग बी ने उसे अपना सर्वश्रेष्ठ पल बताया।

तस्वीर में दिखा पिता-पुत्र का प्यार

इसके साथ ही अमिताभ बचन ने फिल्म में अभिषेक बचन के प्रदर्शन की सराहना की। युवा 2004 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन मणिरत्नम ने किया था। अमिताभ बचन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पुरस्कार समारोह की तस्वीर साझा की। इस तस्वीरमें वे और उनके बेटे अभिषेक बचन ट्रॉफी पकड़े हुए नजर आ रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने बेटे के लिए प्यारा नोट भी साझा किया और खुलासा किया कि इस पुरस्कार के समय कैसा महसूस कर रहे थे।बेटे के लिए उमड़ा प्यारअमिताभ बचन ने लिखा, जब अभिषेक ने युवा के लिए अवॉर्ड जीता, जब उनके नाम की घोषणा हुई तो वह मुझे स्टेज पर ले गए और अवॉर्ड मुझे दिया। मैंने कहा यह मेरा नहीं तुम्हारा है और जो मेरा वो तुम्हारा, आज इसकी रिलीज के 20 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। क्या फिल्म थी और क्या परफॉर्मेंस थी भैयू, आप सबसे अछे हैं।

धीमी रफ्तार से चल रही राजकुमार की श्रीकांत, हॉलीवुड के लंगूरों का भी बुरा हाल

बीते कई हफ्तों से लगातार बॉक्स ऑफिस की हालात खराब चल रही है। कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई नहीं कर रही है। इन दिनों सिनेमाघरों में अभिनेता राजकुमार राव की फिल्म %श्रीकांत% और हॉलीवुड फिल्म %किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स% लग हुई है, जो दर्शकों का मनरोंजन करा रही हैं। इन फिल्मों की कमाई की बात करें तो दोनों ही फिल्में कुछ खास कलेक्शन नहीं कर पा रही हैं। %श्रीकांत% जहां शुरू से ही धीमी चाल चल रही है। वहीं, %किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स% शुरुआत में अच्छी कमाई कर रही थी। मगर अब फिल्म की कमाई में लगागार गिरावट देखी जा रही है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि बुधवार को इन फिल्मों का कैसा हाल रहा... **श्रीकांत** अभिनेता राजकुमार राव स्टारर %श्रीकांत% से दर्शकों को काफी उम्मीदें थी। मगर फिल्म की कमाई देखकर प्रशंसकों के हाथ निराशा लगी है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की हालत देखकर ऐसा लगता है कि यह फिल्म हिट होने में असफल साबित होगी। साथ ही जल्द ही अपना बोरिया-बिस्तर समेट सकती है। 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म कमाई में मामले शुरुआत से धीमी चाल रही है। इस फिल्म राजकुमार ने श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार यानी 13वें दिन श्रीकांत ने 1.25 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म की टोटल कमाई 30.10 करोड़ रुपये हो गई है। कोई भी अच्छी फिल्म के रिलीज होते ही इसका टिक पाना मुश्किल होगा।

किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स को दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। पहले दिन से ये फिल्म अच्छी कमाई कर रही। मगर अब फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज री जा रही है। इस फिल्म की कमाई भी लाखों में सिमट के चुकी है। भारत में %किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स% को डिज्नी इंडिया ने रिलीज किया है।

इस फिल्म की रिलीज के बाद से बॉलीवुड के लंगूर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रहे। कमाई की बात करें तो ताजा आंकड़ो के मुताबिक 13वें दिन फिल्म ने महज 37 लाख रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म का टोटल कलेक्शन 24.46 करोड़ रुपये हो गया है।

फिर एक बार विवादों में फंसी 'मंजुम्मल बॉयज', कमल हासन की पुरानी फिल्म से निकला कनेक्शन

मलयालम फिल्म 'मंजुम्मल बॉयज' एक बार फिर से विवादों में घिर गई है। इस बार फिल्म का म्यूजिक चर्चा के केंद्र में है। दरअसल, मशहूर संगीतकार इलैयाराजा ने फिल्म निर्माताओं को एक कानूनी नोटिस भेजा है और मुआवजे की मांग भी की है।

क्या है मामला?

'मंजुम्मल बॉयज' में कमल हासन की क्लासिक फिल्म %गुना% के एक गाने %कम्मानी% का इस्तेमाल किया गया है। इस गाने को फिल्म की शुरूआत के साथ-साथ क्लाइमैक्स में भी शामिल किया गया है। दर्शकों ने इस प्रयोग को काफी सराहा है, लेकिन यही गाना अब विवाद का कारण बन गया है।

गाने के अनाधिकृत इस्तेमाल से नाराज हैं इलैयाराजा

कम्मानी गाने को इलैयाराजा ने तैयार किया था और वो इस बात से नाखुश है कि 'मंजुम्मल बॉयज' के निर्माताओं ने उनके गाने का अनाधिकृत रुप से इस्तेमाल किया है। निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई के इरादे से उनके वकील की ओर से नोटिस भेज दिया गया है। इस नोटिस में गाने का इस्तेमाल करने के लिए पैसे की मांग की गई है।

इस साल की सफल मलयालम फिल्मों में शामिल हैं 'मंजुम्मल बॉयज'

'मंजुम्मल बॉयज' 22 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और आलोचकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली है। थिएटर के बाद अब ओटीटी पर भी फिल्म धमाल मचा रही है। फिल्म की कहानी सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें दोस्तों का एक समूह घूमने जाता है और उनका एक दोस्त गुना की गुफा में फंस जाता हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे केवल 20 करोड़ रुपये में बनाया गया था और वैश्विक स्तर पर 200 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया था।

अनुपम खेर का फर्जी वीडियो आया सामने, सट्टेबाजी एप में इस्तेमाल की गई एक्टर की आवाज, शिकायत दर्ज

अभिनेता अनुपम खेर का एक फर्जी वीडियो सामने आया है। इसे खुद अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर साझा कर चिंता जताई है। इस वीडियो में अनुपम खेर की आवाज का अवैध इस्तेमाल एक सट्टेबाजी एप में किया गया है। अनुपम खेर ने फर्जी सट्टेबाजी एप के खिलाफ लोगों को चेतावनी दी है। अनुपम खेर से पहले और भी कई सितारे डीपफेक वीडियो के शिकार हो चुके हैं।

रेहान मलिक ने बनाया वीडियो

अपने एक्स अकाउंट पर अनुपम खेर ने यह वीडियो साझा किया है। इसमें उनके एआई जनति आवाज सुनाई दे रही है। वे कह रहे हैं %नमस्कार दोस्तों क्या आप इस आईपीएल में लॉस खा-खा कर थक गए हैं, तो जॉइन करें रेहान मलिक का टेलीग्राम चैनल। रेहान मलिक ने इस आईपीएल में सबको चौका दिया है, क्योंकि इसने अपने सभी पंटरों को बैक तो बैक आठ मैच से प्रॉफिट दिलवाए हैं। अगर आपको भी इस आईपीएल में प्रॉफिट कमाना है, तो इनका टेलीग्राम चैनल जॉइन करें%।

पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

इस वीडियो को साझा करते हुए अनुपम खेर ने लोगों को आगाह किया है। उन्होंने लिखा है, %सावधान- ये वीडियो मुझे मेरे एक दोस्त ने भेजी है! किसी रेहान मालिक ने मेरा फर्जी वीडियो बनाया है और इसे %रेहान मलिक- ईमानदार टिपर% के नाम से अपने टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट किया है। यह एक सट्टेबाजी साइट है। कृपया इससे भ्रमित न हों, धन्यवाद%। अनुपम खेर ने अपने डीपफेक के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपने पोस्ट में भी मुंबई पुलिस और साइबर पुलिस को टैग किया है।

यूजर्स जता रहे चिंता

अभिनेता के इस पोस्ट पर यूजर्स का गुस्सा फूट रहा है। लोग जल्द से जल्द रेहान मलिक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। साथ ही एआई के खतरों के प्रति चिंता जाहिर कर कहे हैं। मालूम हो कि इससे पहले अनूप सोनी भी इस तरह के डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुके हैं। अनुपम खेर के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अपनी फिल्म %तन्वी द ग्रेट% की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस फिल्म के जरिए वे बतौर निर्देशक वापसी करने जा रहे हैं। अनुपम खेर %छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान% में भी नजर आने वाले हैं, जो 24 मई को रिलीज होगी।

शहडोल में सेविंग ब्लेड से काटी जीब, हालत गंभीर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, खैरहा थाना क्षेत्र अंतर्गत छिरहटी गांव में स्थित सिद्ध बाबा काली मंदिर में एक युवक के जीभ काटकर चढ़ाने का प्रयास किया है। यह घटना मंगलवार दोपहर की बताई जा रही है। खैरहा थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि छिरहटी गांव में रहने वाले युवक आकाश साहू पिता संतोष साहू दोपहर के सिद्ध बाबा में स्थित काली मंदिर पहुंचा। वहां उसने काली मंदिर में जीभ काटकर चढ़ाने का प्रयास किया। युवक ने शेविंग ब्लेड से जीभ को काटने की कोशिश की। इस दौरान युवक के जीभ से बहुत ज्यादा रक्त बहने लगा और वह वहीं बेहोश होकर गिर गया। पुलिस ने बताया कि युवक ने दोपहर में लगभग 3 बजे के आसपास जीभ काटने का प्रयास किया। शाम 6 बजे जब छिरहटी गांव का एक अन्य युवक मंदिर पहुंचा तब उसने आकाश को अचेत अवस्था में देखा। उसने स्थानीय लोगों को जानकारी दी। इसके बाद परिजन घटना स्थल पहुंचे। थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि पीड़ित आकाश युवक दोपहर के अपने घर से काम करने जेएमएस के लिए निकला था। जब युवक काम में नहीं पहुंचा तो उसकी तलाश शुरू की गई। घायल युवक को गंभीर अवस्था में बुढ़ार के सरकारी अस्पताल लाया गया वहां से उसे मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के मुताबिक युवक की हालत नाजुक है।

ग्राम टेटका में सड़क किनारे दिखा तेंदुआ

वन्यप्राणी का आबादी की ओर विचरण चिंतनीय

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले की सीमा बांधवगढ़ के जंगल से लगी हुई है जिसकी वजह से जंगली जानवरों का आना-जाना यहां आम हो गया है। मादा तेंदुआ सड़क पारकर सड़क के किनारे बैठे हुई है ,जिसका वीडियो राहगीरों ने बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया है। शहडोल से रीवा पहुंच मार्ग में उत्तर वन मंडल के टेटका मोड़ के समीप यह मादा तेंदुआ सड़क पार कर सड़क की दूसरी ओर जाकर काफी देर बैठ गई ,इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों ने अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर तेंदुआ का वीडियो मोबाइल कैमरे में कैद कर उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया । शहडोल से रीवा की ओर शहडोल निवासी नरेंद्र तिवारी इस रास्ते से गुजर रहे थे तभी उन्होंने देखा कि मादा तेंदुआ आपने दो सावको के साथ सड़क पार कर रहे थी, तभी श्री तिवारी ने अपने वाहन की रफ्तार धीरे कर ली और वाहन को सड़क किनारे ही लगाकर इस नजारे को देखा हालांकि जब तक उन्होंने अपना मोबाइल निकला जब तक दोनों शावक झाड़ियां में छुप गए थे और माता तेंदुआ सड़क किनारे अपने बच्चो की रक्षा के लिए बैठी थीं । इस नजारे को वहां से

गुजर रहे कई वाहन सवार लोगों ने देखा और वाहनों को खड़ा कर अपने मोबाइल कैमरे में इसे कैद कर लिया जो कि अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

पानी की तलाश भटक रहे जंगली जानवर.....

जानकार बताते हैं कि वन विभाग को गर्मी में अच्छा खासा बजट जंगली जानवरों की देखरेख एवं उनकी पानी की व्यवस्था के लिए शासन से दिया जाता है लेकिन जवाबदार कागजों में ही जंगली जानवरों की व्यवस्था दुरुस्त करें दिखाई देते हैं ।और जमीनी हकीकत में कुछ भी कार्य नहीं होता जानकारी के मुताबिक उत्तर वन मंडल में यह मादा तेंदुआ अपने शावको के साथ जहां से गुजर रही है यहां आगे रहयासी क्षेत्र है और वहां पानी की तलाश के लिए अपने शावको के साथ मादा तेंदुआ जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से दिन दहाड़े जंगली जानवर सड़क पार कर रहे हैं और जवाबदारों को इसकी कोई खबर नहीं है।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया....

वीडियो वायरल हुआ है यह हमारे ही क्षेत्र का है। वन विभाग की टीम निगरानी बनाए हुए हैं ।गस्ती भी बढ़ाई गई है पानी की जंगलों में व्यवस्था कराई गई है, लेकिन गर्मी अधिक होने की वजह से पानी की कमी है जिसकी वजह से रिहायशी क्षेत्र में पानी की तलाश में माता तेंदुआ अपने शावको को के साथ निकली है।

कटनी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

कुख्यात आरोपी किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी अयोध्या से गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले का कुख्यात आरोपी किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी को कटनी पुलिस ने अयोध्या से अरेस्ट करते हुए कटनी लेकर पहुंची है। किस्सू तिवारी के खिलाफ करीबन 22 गंभीर संगीन धाराओं में अपराध पंजीबद्ध है। जिसमे से एक जबलपुर के कोतवाली थाने में और एक इंदौर के थाना तुकोगंज में मामला दर्ज है किस्सू तिवारी पर हत्या जैसे 22 संगीन मामले दर्ज है। साथ ही कुख्यात बदमाश किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी के ऊपर 55 हजार का इनाम भी घोषित था।

कटनी जिले के एसपी अभिजीत रंजन ने बताया किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी के खिलाफ 1987 में कोतवाली थाने में हत्या का मामला दर्ज हुआ था और इससे पहले जबलपुर के कोतवाली थाने 1985 में भी हत्या का मामला दर्ज हुआ था इसके अलावा इंदौर जिले तुकोगंज थाने में भी एक गंभीर मामला दर्ज है कटनी में करीबन 20 संगीन मामला दर्ज है टोटल किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी पर 22 मामले दर्ज है और 2021 में कोर्ट द्वारा स्थाई वारंट जारी हुआ था जिसके बाद से वह फरार चल रहा था, किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी की गिरफ्तारी के लिए कटनी पुलिस 2021 से उसके निवास स्थान हीरागंज मित्तल एनक्लेव,ग्राम हिरवारा शाहडार रिसोर्ट स्लीमनाबाद,जिला जबलपुर सिहोरा के लावा कई जगहों में तलाश किया गया लेकिन वह नहीं मिला किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी लगातार फरार चल रहा

था। कटनी एसपी अभिजीत किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी अत्यंत कुख्यात प्रवृत्ति का अपराधी है। जिसके विरुद्ध कटनी में विभिन्न थानों में 20 अपराध एवं जिला जबलपुर के कोतवाली थाने में एक और इंदौर के थाना तुकोगंज में 1 अपराध कुल 22 कई गंभीर संगीन धाराओं में अपराध दर्ज है। साथ थी कुख्यात बदमाश किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी के ऊपर 55 हजार का इनाम भी घोषित था।

कटनी जिले के एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की आरोपी किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी के विरुद्ध जारी स्थाई गिरफ्तारी वारंट में आरोपी के अपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए 18 सदस्यीय टीम गठित कर देश के कई कोनो में कुख्यात आरोपी किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी की तलाश की गई इसी बीच मुखबिरों की सूचना पर कटनी पुलिस अयोध्या के लिए रवाना हुई और राम लला के दर्शन करने पहुंचे कुख्यात आरोपी किस्सू ऊर्फ किशोर को अरेस्ट कर कटनी लेकर पहुंची 2021 से फरार चल रहे कुख्यात बदमाश किस्सू ऊर्फ किशोर तिवारी के ऊपर 55 हजार का इनाम भी घोषित था।

शहडोल में चोर, डकैत, लूटेरे, माफिया हुए बेलगाम बेपटरी कानून हुई कानून व्यवस्था, जिम्मेदार मौन

शहडोल, शहडोल की कानून व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है जिसको लेकर हाका गैंग की तर्ज पर 10 बजे लोगो को वापस घरो में कैद होने के लिए मजबूर करता है, क्यूकि अपराधी बेलगाम हो चुके है, शहडोल में पुलिसिया खौफ समाप्त सा हो गया, आम नागरिको जो दिन भर भीषण गर्मी के चलते घरो में ऑफिस से बाहर नहीं निकलते और जिला प्रशासन भी धूप से बचने की अपील कर रहा है द्य अब जब शाम को तापमान काम होता है, तब लोग घरो से बाहर निकलते है खरीददारी करते व्यापारी भी दुकान सजाये इंतज़ार ग्राहकों का इंतज़ार करते है लेकिन बदमाशों अपराधियों का खौफ इतना की बेबस पुलिस नागरिको पर सख्ती किये जा रहा है वही चोर, डकैत, माफिया, किसी भी वारदात को अंजाम देने से नहीं बाज़ आरहे है क्योंकि पुलिस ही अपराधियों को प्रोटेक्ट कर रही है द्य अगर एसआईटी जिले के चंद पुलिस कर्मियों के सीडीआर खंगाल ले तो चोर डकैत का सिंडिकेट बेपर्दा हो सकता है

केस नंबर 01

शिकायत फिर हो गई चोरी ....

मामला जिले के ब्योहारी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 महात्मा गांधी नगर मे सराफा व्यवसायी विवेक सोनी पिता शिव नरेश सोनी के सुने घर मे बीते 13 मई को सुबह 9 बजे से रात्रि 8 बजे के बीच अज्ञात चोरो ने धावा बोलते हुए साढ़े 5 लाख रुपए नकद व जेवरात समेत कुल साढ़े 18 लाख रुपए का सामान पार कर दिया। घटना के बाद अगले पीड़ित द्वारा इस लाखों की चोरी की शिकायत थाने मे दर्ज कराई गई द्य

चोरी सामान 18 लाख लिखा 26 हज़ार....

लेकिन यह जानकर ताज्जुब होगा की साढ़े 18 लाख की चोरी की शिकायत पर थाने मे सिर्फ 26 हजार की रिपोर्ट दर्ज कर फरियादी को घर भेज दिया गया। जबकि फरियादी द्वारा चोरी गए साढ़े 5 लाख रुपए नकद के आलावा सभी जेवरातो की लिस्ट पुलिस को सौंपी गई थी। साथ ही यह बताया गया था कि जिस बैग मे यह जेवरात रखें थे उसमे इनका बिल भी था, जो चोर ले गए है। लेकिन वह इन चोरी गए जेवरातो के बिल की दूसरी कॉपी दें सकता है। इसके बावजूद लाखों की चोरी को हजारों मे बदलकर पुलिस ने अपनी साख बचाने का प्रयास किया। जिसके निराश होकर पीड़ित विवेक सोनी पिता शिव नरेश सोनी निवासी गांधी नगर ब्योहारी अपने पुत्री के साथ सोमवार को पुलिस अधीक्षक के पास अपनी फरियाद सुनाने पहुंचा। जहाँ उसने सारा घटना क्रम बताते हुए उसके घर मे हुए लाखों की चोरी की सही रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग की गई।

केस नंबर 2

अभी लिखाई रपट फिर हो गई चोरी.....ज़ब फरियादी अपनी फ़रियाद सुनाकर वापस घर लौट रहा था, इस बीच घर पहुँचने से पहले शाम लगभग साढ़े 7 बजे उसके दूसरे पुत्र ने फोन करके बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी मोटर शायकिल पल्सर क्रमांक एमपी 17 एम आर 1317 को भी किसी चोर ने पार कर दी है। इस घटना को सुनकर पीड़ित को एक और झटका लगा। अब अंदाज़ा लगाइये घर मे लाखों की चोरी करने के बाद उसी घर के सामने से मोटर सायकिल भी पार कर दी गई।

केस नंबर 3

चोर ने पड़ोस में भी लगाई सेंध....

इसके बाद चोरो ने पड़ोस को निशाना बनाया अपनी दिलेरी दिखाते हुए पीड़ित श्री सोनी के घर के बगल मे रहने वाले एडवोकेट राजेंद्र वैश्य के घर का ताला तोड़कर चोरी की तीसरी वारदात को अंजाम दिया। चोरो ने वहाँ से एक नग मोबाइल समेत हजारो का सामान पार कर दिया। घटना के समय श्री वैश्य के परिवार के लोग अपने गाँव गए हुए थे। इस प्रकार एक ही मोहल्ले मे सात दिवस के भीतर तीन बार चोरी की वारदात को चोर बेखौफ़ होकर अंजाम देते रहे पुलिस को भनक तक नही लगी। अगर पहली घटना के बाद ही पुलिस सक्रिय हो जाती तो शायद दूसरी और तीसरी चोरी की वारदात शायद नही होती।

केस नंबर 4

जब मुख्यालय में ही है आतंक....

ताज़ा तरीन खबरों के मुताबिक हाल ही में रीवा से महिला पर अत्याचार का एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कुछ दबंग मिलकर एक महिला को बुरी तरह से जमीन पर पटक कर उसकी पिटाई कर दी। वहीं खड़े लोग तमाशा देख रहे हैं। इसी तरह शहडोल में भी अभिषेक मिश्रा नामक व्यक्ति द्वारा बीते 2023 जून से अवैध कालोनी विकसित कर पैसे हड़पने और पट्टे की भूमि में मैरिज गार्डन बनाने को लेकर की गयी शिकायत में भी आये दिन दबंग भूमाफिया द्वारा महिला फरयादी गीता सिंह, राधा सिंह इत्यादि को प्रताड़ित किये जाने की खबर है खबर यह भी है की अवैध कालोनी विकसित करने, भूमि बिक्री करने, अवैध मैरिज गार्डन निर्मित किये जाने को लेकर नगरीय प्रशासन, राजस्व अमला. पुलिस प्रशासन मामले में महिला फरयादी को कोई तरजीह नहीं दे रही है बल्कि भूमाफिया को उल्टा प्रोटेक्ट करने का काम कर रही है जिससे शहडोल में पुलिस कप्तान कुमार प्रतीक के दिशा निर्देशन में संचालित पुलिस की कार्यशैली एवं निष्पक्ष पर सवाल खड़े हो रहे है आखिर पुलिस भूमाफिया की तर्ज में अवैध कालोनी विकसित कर रहा है लोगो से रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करते हुए पैसे ले लेता है, और जमीन पैसा फस जाने वापस न मिलने पर पीड़ित महिला शिकायतकर्ता थाना कोतवाली की शरण में मदद मांगने पहुँचती है जहा आरोपी के विरुद्ध छल, कूटरचना, धोखाधड़ी व्यापार में ठगी इत्यादि प्रदर्शित शिकायत को कोतवाली पुलिस दबा जाती है और एफआईआर की जगह समझौता करा देती है वो भी शील सिक्का मोहर लगते हुए । आज आरोपी ने एक तरफ फरयादी की जीवन भर की कमाई पूंजी, परिचितों एवं रिश्तेदारों से उधार लिए पैसे देने से इंकार कर दिया, कारण पुलिस ने 21 जून 2023 में लिखित में समझौता कराया उधर आरोपी ने कोर्ट कचहरी तक पुलिस का कराया समझौता को ब्लैक मेल कर पैसे वसूलने की बात कह रहा है इसके पीछे की एक मात्र वजह है की पुलिस कप्तान की आँखों में कोतवाली में धुल झोकने का प्रयाश पदस्थ पुलिसकर्मियो ने किया, जो दशकों से शहडोल और आसपास जमे हुए है जिनकी रहनुमाई में आरोपी पर एफआईआर होने से बचाने के लिया कोतवाली में बैठ कर स्वांग रचा गया ।

कल्याणपुर डकैती नहीं मिला सुराग... नकाबपोश बदमाशों ने एक मकान में डकैती ड़ाली। जहां घर के लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें बंधक बनाने के बाद लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात लूटकर फरार हो गए। बदमाशों की यह हरकत घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। रात में ही पीड़ित परिवार द्वारा इसकी शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई। घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में उनके फुटेज भी सामने आए हैं, जिसमें आठ बदमाश चेहरे पर गमछा बांधे हुए और नंगे पैर नेकर पहने हुए आते नजर आ रहे हैं। शिकायत कर्ता रितेश और उसकी मां ने बताया, रात में उन्होंने गेट तोड़कर घर में प्रवेश किया और घर के अंदर खिड़की के पास सो रहे रितेश के चेहरे पर पहले स्प्रे डालकर उसे बेहोश कर दिया। उसके बाद चोरो की हिमाकत तो देखोये घर में मौजूद रितेश की मां पूनम के साथ मारपीट की। उसके शरीर के कई हिस्सों में चोट आई और उसे वहीं बांध दिया। इसके बाद घर की आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लेकर भाग गए, चोरो ने लगभग पांच लाख रुपये की बंधक बनाकर डकैती की है। जिसका कोई सुराग पुलिस के हाँथ नहीं लग प् रहा है ।

पांडवनगर में भी हुई चोरी बीते माह एक फ़ूड कार्पोरेशन के एमडी और कान्वेंट स्कूल की शिक्षिका रेनू श्रीवास्तव के घर में हुई चोरी का भी कोई खुलाशा नहीं हो पाया है, चारो तरफ सीसीटीवी कैमरे से लैस बिल्डिंग में चोरो की दिलेरी की जितनी तारीफ की जाये कम होगी द्य जो सबसे सुरक्षित कॉलोनी में सेंधमारी हो रही है जिम्मेदार सो रहे है, जिस कॉलोनी में जिले का अफसर जज, पुलिस तहसीदार, डॉक्टर, एसडीएम सहित बड़े अधिकारी रहते है वह का हाल जब यह है तो दो सुदूर की नागरिको की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है द्य

पत्रकार पर हुआ जानलेवा हमला.....इस साल की शुरुवात अपराधियों ने चौथे स्तम्भ पर हमले करते हुई शुरुआत हुई जिसमे जिले के वरिष्ठ पत्रकार पर 15 - 16 हथियारबंद लोगो ने जान लेवा हमला किया गया, जब सीसीटीवी फुटेज सामने आये तो हमलावर का खुलासा हुआ, लेकिन कोतवाली पुलिस ने एक बार फिर नामक का हक़ अदा किया और नामजद आरोपियों भी सूचीबद्ध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए द्य फिर तो हमें मानना ही पड़ेगा की देश भक्ति जनसेवा के मायने शहडोल पुलिस ने बदल दिए है, सुधि जानो ने शहडोल के जिम्मेदार अफसर से शहर कि बिगड़ती बेपटरी कानून व्यवस्था सुधारने की मांग की है अन्यथा जिले के सामजिक संगठनों को सड़को में उतरना मजबूरी होगी द्य आखिर कब तक बदमाशों चोरो और माफियाओ का खौफ बरददास्त करना पड़ेगा । शहडोल में प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह से फेल हो चूका है, दहशत गर्दी का आलम है पुलिस कप्तान को नागरिको की सुरक्षा को इतनी लापरवाह कभी नहीं हुई एहि कारण है जिले में दो -दो शासकीय सेवक अपनी जान गवा चुके है। अब यह माफिया पत्रकारों को निशाना बना रहे है कल इसकी जद में जिले के अफसर भी आयगे।

छत्रपाल सिंह, जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी शहडोल

मामले में ताजुब है 2 जनवरी की घटना हुई अब पांचवा माह बीत जायेगा, लेकिन शहडोल पुलिस क्या कर रही है और क्या करना चाहती है प्रदेश के जिम्मेदार अफसर को समझना होगा, निचले स्तर पर माफिया पत्रकारों से खून की होली खेलना चाहते है माफिया। और इधर पुलिस कार्यवाही करने की जगह दे रही है छूट।

राजेंद्र सिंह जालौद, प्रदेश अध्यक्ष, खोजी पत्रकार यूनियन मध्यप्रदेश

प्रशासनिक प्रतिक्रिया

मामले में एसपी साहब को सीयूजी नंबर पर फ़ोन लगाया गया उनका फ़ोन रिसीव नहीं हुआ, शायद उनके पास हमारे सवालों का जवाब नहीं है, वरना मीडिया से परहेज के क्या मायने

कुमार प्रतीक, पुलिस अधीक्षक, शहडोल

मामले में एडीजीपी दिनेश चंद्र सागर से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने भी फ़ोन रिसीव नहीं किया द्य

दिनेश चंद्र सागर, एडीजीपी, शहडोल जोन

कटनी में लगातार चाकूबाजी व मारपीट की घटाओ की रोकथाम के लिए कटनी पुलिस ने लिया एक्शन

शराब का सेवन करने वालो पर हुई खदड़ने की कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले लगातार हो रही चाकूबाजी व मारपीट की घटाओ की रोकथाम के लिए कल देर रात्रि सभी थाना प्रभारी के साथ कटनी जिले के एडिशनल एसपी ने सभी थाना क्षेत्र स्थित छोटी छोटी दुकानों के आसपास शराब का सेवन करने वालो पर कड़ाई बरते हुए उन्हें वहा से खदड़ने की कार्यवाही की।

कटनी जिले के एडिशनल एसपी डॉ संतोष डेहरिया ने बताया की कटनी जिले में लगातार शराब के नशे में घटित हो रही चाकूबाजी मारपीट की घटाओ की रोकथाम के लिए कटनी एसपी अभिजीत रंजन के आदेशों पर जिले के सभी थाना प्रभारियों के साथ जहा जहा रात का अधेले में बैठ शराब का

सेवन करने वालो पर कड़ाई से कार्यवाही की गई और उन्हें वहा से खदेड़ा गया वही शराब के दुकानों से लगी स्नैक्स की दुकानों के आसपास बैठ शराब का सेवन करने वालो को भी वहा से खदेड़ने की कार्यवाही करते हुए स्नैक्स की दुकान संचालित करने वाले दुकानदारो को भी समझाया गया की वे लोग अपने दुकानों के आसपास किसी को भी शराब का सेवन न करने दे नही तो उन पर भी कड़ाई से कार्यवाही की जायेगी।

प्लॉट में जबरिया कब्जे से परेशान युवक ने उठाया आत्मघाती कदम

कीटनाशक जहर का करा सेवन, अस्पताल में इलाज जारी

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र के रोशन नगर में प्लॉट में जबरिया कब्जे से परेशान युवक ने कीटनाशक जहर का सेवन कर आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना के बाद परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका उपचार चल रहा है। बातचीत करते हुए जहर खाने वाले अंकित शुक्ला ने बताया कि उसकी माता शारदा शुक्ला के नाम पर रोशन नगर में संदीप की डेयरी के पास 2000 वर्ग फिट 40/50 का रजिस्ट्रीसुदा प्लॉट है। जिस पर मोहन यादव, बसंत यादव, अरुण यादव जबरन कब्जा कर रहे हैं। इस बात से हमारा पूरा परिवार परेशान था। हमने न्याय की आश लेकर एनकेजे थाना प्रभारी, एसपी, कलेक्टर से दस्तावेजों के साथ शिकायत की, लेकिन कोई भी कार्यवाही नहीं हुई, उल्टा मोहन यादव, बसंत यादव, अरुण यादव ने घर आकर हमे धमका रहा है की हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता है। जहां जाना है, वहां चले जाओ या फिर आत्महत्या कर लो। हमको कोई फर्क नहीं पड़ता। प्लाट तो हम ले ही लेंगे। कब्जा करने वालों की धमकी और न्याय नहीं मिलने से परेशान होकर आज अंकित शुक्ला ने कीटनाशक पीकर आत्मघाती कदम उठाया है। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। वही जब इस मामले में एन के जे थाना प्रभारी नीरज दुबे से बात करनी चाही तो वह बचाते नजर आए और इस मामले में कुछ भी कहने से मना कर दिया।

देवबंद के उपकारागार में मोबाइल चलाते मिले बाबा गैंग के सदस्य, चार पर मुकदमा दर्ज

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद उप कारागार में तलाशी के दौरान बाबा गैंग के दो अपराधियों में से एक पर मोबाइल फोन बरामद हुआ हैं। जेलर की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। हत्या के प्रयास के मामले में बंद बाबा गैंग के सदस्य जेल के भीतर मोबाइल चलाते मिले। जेलर ने तलाशी के दौरान इनके पास से मोबाइल बरामद किया है। तहरीर के आधार पर चार बंदियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। बता दे कि जेल में तलाशी के दौरान जेलर महेंद्र पाल ने बाबा गैंग के सदस्य शिवम, युवराज के पास से एक मोबाइल बरामद किया है। उनके साथ ही अजय और अनूप नामक बंदी भी मोबाइल का प्रयोग कर रहे थे। सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया ने बताया कि जेलर ने जेल में बंदियों की तलाशी ली। इस दौरान शिवम, युवराज, अनूप और अजय के पास से मोबाइल (कीपेड वाला) बरामद हुआ है। जेलर ने चोरों के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर दी, जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें दो बंदी शिवम और युवराज हत्या के प्रयास में जेल में बंद है। 18 दिसंबर 2023 को पुलिस ने मुठभेड के बाद दोनों को गिरफ्तार किया था। इससे पूर्व भी कई बार जेल में तलाशी के दौरान मोबाइल पकड़े जा चुके हैं।

रुक जाना नहीं योजना में परीक्षा में सम्मिलित छात्राओं को छात्रावास में भी विशेष कक्षाएं

दमोह में परीक्षा देने हेतु रुके छात्र-छात्राओं को शिक्षक दे रहे मार्गदर्शन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, रुक जाना नहीं योजना के तहत आयोजित परीक्षा चल रही है जो छात्र छात्रावास में रुके हुए हैं इस दौरान शिक्षकगण उत्साह से छात्र-छात्राओं को अध्ययन अध्यापन करा रहे है। शिक्षकों का समर्पण ही कहा जाएगा उनकी इस कार्य में ड्यूटी नहीं है। व्यवस्थाओं की देखरेख में प्रभावी सहयोग देने वाले मोहन राय ने बताया कि अंग्रेजी के शिक्षक मनीष नेमा, शैलेंद्र दुबे व रसायन शास्त्र के शिक्षक कमलेश सेन ने छात्रावास में रुके हुए छात्र-छात्राओं को विशेष मार्गदर्शन दिया तथा कक्षाएं ली ताकि बच्चों को अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जा सके। यह सभी शिक्षक स्वप्रेरणा से आकर छात्रों को अध्यापन कर रहे हैं। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने शिक्षकों की इस पहल का स्वागत करते हुए सराहना की है।

दमोह में विश्व पर्यावरण के सबंध में जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न, लिए गये अहम निर्णय

पर्यावरण जागरूकता की दृष्टि से पर्यावरण जागरूकता वाकथॉन का होगा आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में हर विद्यालय में एक पेड़ ट्री-गार्ड सहित लगाया जाएगा। इसके साथ ही सभी दफ्तरों में भी एक-एक पेड़ ट्री-गार्ड सहित लगाए जाएंगे। जिले की प्रत्येक गौशालाओं मे भी उक्त दिवस पौधरोपण किया जाएगा। उक्त आशय की बात कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने पर्यावरण दिवस 05 जून के संबंध में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में कहीं। उक्त दिवस 05 हजार पौधे लगाये जाने की बात कही गई। कलेक्टर ने कहा वर्षा के बाद पौधरोपण का महा-अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने आमजनों से भी एक पौधा ट्री-गार्ड सहित लगाने का आवाह्न किया हैं। इस आयोजित बैठक में सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जन अभियान के जिला समन्वयक से कहा अंकुर उप-वन में भी पौधरोपण किए जाने हैं, के सबंध में दिशा-निर्देश देते हुए तदानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा। बैठक में सीईओ बटियागढ़, जबेरा और पथरिया ने बडे स्तर पर पौधरोपण की कार्य योजना के सबंध में विस्तार से बात रखी। इन

अधिकारियों ने बताया उनकी इस अभियान के सबंध मे तैयारियां जारी हैं। बैठक में पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता कि दृष्टि से सभी शासकीय कार्यालयों, सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, महाविद्यालय, गौशाला, मुक्तिधाम एवं सभी स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से सार्वजनिक एवं सुरक्षित स्थलों पर एक पौधारोपित किये जाने का आग्रह किया गया। इस सबंध में गहन चर्चा भी की गई। रोपित पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी संबंधित संस्था/व्यक्ति की रहेगी। पर्यावरण जागरूकता की दृष्टि से पीजी कॉलेज दमोह में पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न सामाजिक संगठनों, पर्यावरण विदो, शोध छात्रों के बीच एक वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से किया जा सकने वाले विभिन्न प्रयासों और कामों पर सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। पर्यावरण जागरूकता की दृष्टि से पर्यावरण जागरूकता वाकथॉन का आयोजन किया जाएगा।

दमोह में दो/चार पहिया वाहनो की पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने से यातायात प्रभावित

पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने चार सदस्यीय समिति गठित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, शहर में सोशल मीडिया, अन्य स्त्रोतों एवं अन्य माध्यम से तथा आमजनता के द्वारा समय-समय पर जिला प्रशासन को अवगत कराया गया हैं, यहां के मुख्य मार्गों पर पार्किंग की समस्या बहुत गंभीर हैं। दो/चार पहिया वाहनो की पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने से यातायात प्रभावित होता हैं। इस सबंध में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने चार सदस्यीय समिति गठित की हैं। समिति में एसडीएम दमोह, सीएसपी दमोह, मुख्य नगर पालिका दमोह और डीएसपी यातायात दमोह शामिल हैं। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने समिति को निर्देशित किया हैं कि 31 मई 2024 तक शहर में मुख्य मार्गों के नजदीक जहां मार्केट हैं वहां पर बड़ी मात्रा में आमजन का आवागमन होता हैं, वहां उनके नजदीक पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन किया जाये, जिससे निकट भविष्य में दो/ चार पहिया वाहनों की पार्किंग सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान जिले में मातृ मृत्यु दर कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम

प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को चलाया जाएगा अभियान, अभियान की शुरूआत 25 मई से

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले में प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को बड़े पैमाने पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जाएगा ताकि एक भी गर्भवती महिला ऐसी ना छूटे जिसको जांच और उपचार न मिला हो । जिले में मातृ -मृत्यु दर कम करने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम होगा। इस आशय की जानकारी कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने देते हुये बताया राज्य सरकार और जिला प्रशासन के सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है जिसका उद्देश्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा गर्भवती माताओं का रेगुलर उपचार व जांच हो, हाई रिस्क गर्भवती माता चिन्हाकित हो और उनको समय पर इलाज मिले, दवाइयां मिले। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया इन सबको दृष्टिगत रखते हुए शासन के

निर्देशों के अनुसार प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को दो अभियान दिवस पर एक बड़ा अभियान चलाया जाएगा।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान जिला प्रशासन द्वारा बहुत बड़े स्तर पर किया जायेगा, नई व्यवस्था बनाई गई है, हर माह की 9 और 25 तारीख को यह जिले के नौ स्वास्थ्य केंद्र जिसमें जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी स्वास्थ्य केंद्र शामिल है। इन सभी में एक साथ अभियान चलाया जाएगा। यहां पर जो आशा मोबिलाइज गर्भवती महिलाओं को लेकर आएंगे और सीएचओ गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करेंगे। उन्होंने कहा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सभी 9 स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, उनके लिए साफ पीने के पानी की व्यवस्था, पंखे-कूलर व्यवस्था, नाश्ता-फल की व्यवस्था की जाये। यह सारी मूलभूत सुविधाएं व्यवस्थित तरीके से प्रदान की जाएगी। इसके अलावा जहां आवश्यकता होगी वहां पर प्राइवेट स्त्री रोग विशेषज्ञ गायकोनॉलॉजिस्ट की सेवाएं दी जा रही है, ताकि कहीं पर भी स्त्रियों की जांच में विपरीत प्रभाव न पड़े और 9 स्वास्थ्य केंद्रों में से प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर एक स्त्री रोग विशेषज्ञ अवश्य रहे।

उन्होंने कहा इस अभियान में महिलाओं के सारे लैबोरेट्री वाले टेस्ट भी कराए जाएंगे, जांच कराई जाएगी, जांच उपरांत डॉक्टर उस पर अपना प्रिसक्रिप्शन देंगे, जांच करके उनका चिकित्सीय परामर्श भी देंगे, साथ ही वहीं से दवाइयां भी वितरण की जाएंगी। इस अभियान को एक वृहद रूप में किया जा रहा हैं। आगामी 25 तारीख से इसके लिए राज्य सरकार के विशेष निर्देशन में तथा जिला स्तर से भी इसकी पूर्ण तैयारी की जा चुकी हैं और लगातार इसको व्यवस्थित रूप से संचालित करने का प्रयास किया जायेगा।

रेत से लोड वाहन ने दो मवेशियों को कुचला

लोड वाहन पलटा, मौके पर हुई मवेशियों की मौत

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, तेज रफ्तार रेत से लोड वाहन ने शहडोल बुढार हाईवे पर मवेशियों को कुचल दिया इस दौरान मौके पर ही दो मवेशियों की मौत हो गई ,घटना के तुरंत बाद रेत से लोड वाहन भी हाईवे पर पलट गया जिससे शहडोल बुढार मार्ग पर कुछ देर के लिए वाहनों की आवाजाही बंद रही। मामले की खबर लगने के बाद पुलिस जब मौके पर पहुंची तब वाहन को सड़क से हटवाया गया तब जाकर 1 घंटे बाद यातायात सुचारू रूप से शुरू हो सका।लालपुर बस स्टैंड के पास रेत लोड वाहन ने मवेशियों को कुचल दिया, जहां घटना स्थल पर ही मवेशियों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार रेत लोड ट्रक बुढ़ार से शहडोल की ओर आ रहा था, इसी दौरान लालपुर बस स्टैंड के समीप रास्ते में बैठे दो मवेशियों को कुचलते हुए अनियंत्रित हो कर पलट गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया है कि ट्रक क्रमांक एमपी 18 जीए 4433 से अवैध रेत का परिवहन किया जा रहा था। चर्चा है कि रेत का परिवहन अवैध तरीके से किया जा रहा था। बाद में हादसे के बाद रेत कारोबारी आनन- फानन में रेत संबंधित दस्तावेज तैयार कराया। वहीं थाना प्रभारी बुढ़ार संजय जयसवाल ने बताया कि रायल्टी पर्ची के अनुसार रेत अमलाई के चाका खदान से पाली के लिए ले जाया जा रहा था,पर्ची जमुना प्रसाद गुप्ता के नाम से बनी हुई है, उन्होंने बताया कि वाहन को जब्त कर लिया गया है। चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। विभिन्न धाराओं पर मामला दर्ज किया है जांच जारी है।

26 को युवक युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन

केसरवानी वैश्य नगर सभा का आयोजन

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, केशरवानी समाज का युवक युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन 26 मई रविवार को भारती पैलेस में आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ ही समाज के मेधावी छात्राओं का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया है। यह आयोजन केसरवानी वैश्य, महिला सभा, तरुण सभा एवं केशरवानी वैश्य तरुण महिला सभा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। परिचय सम्मेलन में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों के भी विवाह योग्य युवक युवती पहुंचेंगे। उक्त आशय की जानकारी आज आयोजित पत्रकार वार्ता में देते हुए नगर सभा के अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता, तरुण सभा के अध्यक्ष रितुराज गुप्ता, एवं महिला तरुण सभा की अध्यक्ष सविता गुप्ता एवम निभा गुप्ता ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया कि आयोजन के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक शिवकुमार वैश्य प्रयागराज होंगे। महासभा के

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएन केसरी हैदराबाद अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9:30 बजे ध्वजारोहण एवं भगवान महर्षि कश्यप मुनि के पूजन एवं महा आरती से होगी। 10:30 बजे अतिथियों का स्वागत, 11:00 बजे सम्मेलन का शुभारंभ एवं पंजीयन, दोपहर 1 से 3 बजे भोजन के बाद दोपहर 2:00 बजे से मंच पर विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय होगा। शाम 5:00 बजे मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान के बाद 7:00 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। आयोजन के मुख्य संयोजक जगदीश गुप्ता प्राचार्य, श्रीमती अंजना गुप्ता, कार्यक्रम के मार्गदर्शक संरक्षक श्रवण कुमार गुप्ता तथा श्रीमती सुनीता गुप्ता है। कार्यक्रम संयोजक के रूप में विजय केसरवानी, कृष्ण कुमार गुप्ता लाला, प्रकाश गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता, दिनेश गुप्ता गप्पू, दीनदयाल केसरवानी, कमल गुप्ता, केदार गुप्ता, रामनिवास गुप्ता, सविता गुप्ता, सत्यभामा गुप्ता, भारती गुप्ता, सुलेखा गुप्ता, ज्योति केसरवानी, स्वाति गुप्ता के साथ नगर सभा की कोषाध्यक्ष एडवोकेट प्रकाश गुप्ता एवं कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता के साथ अन्य के अन्य पदाधिकारी व समाज के अन्य लोगों द्वारा आयोजन में सहयोग किया जायेगा।

कटनी के बड़बारा में पंचायत के द्वारा कराए गए निर्माण व विकास कार्यों

ग्रामीणों ने शासकीय राशि का बन्दरबाट करने का लगाया आरोप

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, विगत दिनों कटनी के बड़बारा जनपद के ग्राम पंचायत कुठिया मोहगवां के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के द्वारा कराए गए निर्माण व विकास कार्यों में खानापूर्ति कर शासकीय राशि का बन्दरबाट करने के आरोप लगाते हुए जनपद पंचायत जिला पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक शिकायत दर्ज करवाई गई थी जिसमें उल्लेख था कि पंचायत द्वारा स्कूल प्रांगण में 5 लाख रुपए की लागत से बनाए गए चौपाल व 2 लाख की लागत से कराए गए निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार पंचायत सरपंच व रोजगार सहायक द्वारा किया गया है। ग्रामीणों के आरोप को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जनपद सदस्य पति राजेश गर्ग ने अपने लेटर पैड में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को पत्र प्रेषित कर निर्माण कार्य के नाम पर शासकीय राशि को खुर्दबुर्द करने की जांच कराने की मांग की थी। इसके अलावा इस मामले कि लिखित शिकायत पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन को जांच करवाने के लिए पत्र प्रेषित किया गया था जिसके आधार पर जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत द्वारा जांच टीम गठितकर जांच करवाई गई जिसमें जांच अधिकारियों को आदेशित किया गया कि शिकायत कर्ताओ के आरोप के मुताबिक जांच कर एक सप्ताह के अन्दर प्रतिवेदन कार्यालय में सौंपा जाए। जिस आदेश पर जांच अधिकारी ऋषिराज चढ़ार परियोजना अधिकारी मनरेगा साखा कटनी आरबी सिंह सहायक यंत्री जनपद पंचायत बड़वारा धर्मेंद्र पटैल अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा जनपद बड़वारा के द्वारा ग्राम पंचायत कुठिया मोहगवा पहुंचकर जांच कर शिकायत कर्ताओ के कथन लेते हुए जल्द से जल्द उच्चाधिकारी को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का भरोसा दिलाया गया है।बहरहाल देखना बाकी होगा उच्चाधिकारी के पास प्रतिवेदन पहुंचने पर आरोपियों के ऊपर क्या कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम पंचायत बीहर सरवरिया में किसानों के निजी कार्य के लिए मशीन से मिट्टी धुलाई हो रही थी

ग्राम पंचायत बीहर सरवरिया की महिला सरपंच को रची जा रही है बदनाम करने की साजिश

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना । अजयगढ, पन्ना जिले के अजयगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली कई ग्राम पंचायतें में मनरेगा के कामो को बड़ी बड़ी मशीनों से करवा कर मज़दूरो के हकों में डाका के लिये सुर्खियों में रहती है।इसी बीच कई ग्राम पंचायतें ऐसी भी जो मशीनों का प्रयोग कर उसके द्वारा किये गए कार्य से पंचायत के कोष को भरने का कार्य करते है।अजयगढ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बीहर सरबारिया में पंचायत द्वारा आगामी बरसात के

मौसम को देखते ग्राम पंचायत के तालाब का गहरीकरण जेसीबी की सहायता से कराया गया।ओर इससे निकलने वाली मिट्टी का प्रयोग ग्राम पंचायत में ही लोगो के घरों में प्रयोग होने वाली मिट्टी को भरने के लिये किया गया जिसके लिये उन लोगो से एक निश्चित राशि वसूल की जा रही है।ऐसा करने से ग्राम पंचायत के कोष में भी बृद्धि हो रही और इस राशि का प्रयोग ग्राम पंचायत के विकाश कार्यो में किया जाएगा। सोशल मीडिया में जब वीडियो वायरल हुआ तो उसकी सत्यता जानी तब गांव वालों ने बताया है कि हम लोगों ने निजी कार्य के लिए मशीनों से मिट्टी का धुलाई का कार्य किया है लेकिन कुछ व्यक्तियों के द्वारा चुनावी रंजिश के कारण महिला सरपंच को परेशान किया जा रहा है महिला सरपंच ने वीडियो को निराधार बताया है।

गंगोह क्षेत्र में दिनदहाड़े एक छात्रा की हत्या

आवासीय कॉलोनी में खून से लथपथ शव प्लॉट में पड़ा मिला, पुलिस जांच में जुटी

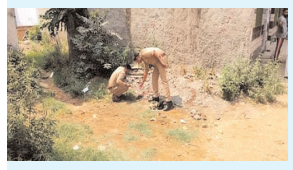

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के गंगोह क्षेत्र में दिनदहाड़े एक छात्रा की हत्या कर दी गई। आवासीय कॉलोनी में खून से लथपथ शव प्लॉट में पड़ा मिला। वहां से एक बैग भी बरामद हुआ है जिसमें सबदलपुर निवासी मानवी तोमर के नाम से किताबें मिलीं हैं। हत्या को किसने अंजाम दिया यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।सहारनपुर जनपद के गंगोह थाना क्षेत्र स्थित आवासीय कॉलोनी में दिनदहाड़े छात्रा की गला रेतकर हत्या कर दी गई। छात्रा का शव कॉलोनी के बीच एक प्लॉट में खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। हत्याकांड को किसने और क्यों अंजाम दिया है इस बारे में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। आज कुछ राहगीर एक प्लॉट के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान देखा कि प्लॉट के अंदर खून से लथपथ हालत में एक युवती का शव पड़ा हुआ है, जिसका गला रेता गया था। सूचना मिलने पर गंगोह पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने मौके से एक बैग भी बरामद किया है, जिसमें थाना कुतुबशेर के सबदलपुर गांव निवासी मानवी तोमर पुत्र राजेश के नाम से किताबें मिली। पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया। परिजनों ने बताया कि मानवी गंगोह के एक इंस्टीट्यूट में बीपीईएस (बेचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स) चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा है। हालांकि शव मानवी का है या फिर नहीं इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। परिजन मौके पर पहुंचकर इसकी पुष्टि करेंगे।पुलिस का कहना है कि परिजनों के आने के बाद ही शिनाख्त की पुष्टि होगी। उधर, खून से लथपथ शव को देखकर आशंका जताई जा रही है कि थोड़ी देर पहले ही किसी ने हत्याकांड को अंजाम दिया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, जिससे यह पता चल सके कि हत्यारे कौन थे और हत्या प्लॉट में हुई है या फिर शव को फेंका गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को होंगे आम चुनाव

PM सुनक ने की समय से पहले संसद भंग करने की सिफारिश

इंटरनेशनल डेस्क: ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को घोषणा की कि चार जुलाई को देश में आम चुनाव कराए जाएंगे। उनकी इस घोषणा के साथ ही चुनाव की तारीखों को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया। लंदन में बारिश के बीच, देश के भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री सुनक ने छह सप्ताह में मतदान कराए जाने की पुष्टि की। प्रधानमंत्री चुनाव की तारीख की जानकारी औपचारिक रूप से महाराज चार्ल्स को देंगे और उसके बाद संसद जल्द ही भंग कर दी जाएगी। सुनक (44) ने ब्रिटिश मतदाताओं के समक्ष अपने कार्यकाल का रिकॉर्ड पेश किया। उन्होंने कहा, मैं अपनी शक्ति के अनुसार आपको मजबूत सुरक्षा प्रदान करने के लिए सब कुछ करूंगा। यह मेरा आपसे वादा है... अब समय आ गया है कि ब्रिटेन अपना भविष्य चुने।

कैबिनेट बैठक पर लगी निगाहें

कैबिनेट बैठक की खबर के बाद जल्द आम चुनाव की चर्चा चल रही थी, लेकिन हाल ही में ब्रिटिश संसद में पीएम सुनक ने कहा था कि इस साल की दूसरी छमाही में आम चुनाव होंगे। संसद में सुनक ने ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छी खबरें भी दीं, जिनमें महंगाई दर कम होकर 2.3 फीसदी रहने का एलान भी शामिल है। यह बीते तीन वर्षों में सबसे कम है। सुनक ने विपक्षी लेबर पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि लेबर पार्टी देश की अर्थव्यवस्था को खतरे में डाल देगी। वहीं कंजरवेटिव पार्टी देश के भविष्य को बचाने की कोशिश कर रही है।

दो साल पहले बने थे प्रधानमंत्री

ऋषि सुनक 25 अक्टूबर 2022 को ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने थे। वह पहले ब्रिटिश-भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उनसे पहले लिज ट्रस प्रधानमंत्री थी, जिनका कार्यकाल सिर्फ 49 दिन का था। लिज की सरकार में सुनक वित्त मंत्री थे।

ब्रिटेन में 14 सालों से सत्ता में हैं कंजर्वेटिव पार्टी

ब्रिटेन में पिछले 14 सालों से कंजर्वेटिव पार्टी सत्ता में है। ब्रिटिश मीडिया फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, ब्रिटेन में हो रहे अलग-अलग सर्वे में लेबर पार्टी बढ़त बना रही है। मार्च में आए इप्सोस पोल में सुनक को 38 रेटिंग दी गई, जो सबसे खराब रेटिंग थी। ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स (लोअर हाउस) में कुल 650 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को 326 सीटों की जरूरत होती है। अप्रैल में YouGov के पोल में बताया गया था कि कंजर्वेटिव पार्टी को 2025 में होने वाले चुनाव में सिर्फ 155 सीटें मिलेगी, जबकि 2019 में पूर्व क्रूबॉरिस जॉनसन ने 365 सीटें जीती थी। वहीं, इस पोल में विपक्षी लेबर पार्टी को 403 सीटें मिलने का दावा किया गया।

इजराइली महिला सैनिकों के अपहरण का वीडियो आया सामने

घायल महिलाओं के साथ कर रहे थे गंदा काम

इंटरनेशनल डेस्क: 7 अक्टूबर के हमलों के दौरान हमास द्वारा पकड़ी गई सात महिला इजरायली सैनिकों के परिवारों ने उनके अपहरण के ग्राफिक फुटेज जारी किए हैं क्योंकि वे उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार पर दबाव डाल रहे हैं। वीडियो में महिलाओं को - सभी इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) कर्मियों को - एक दीवार के सामने पंक्तिबद्ध दिखाया गया है, उनके हाथ बंधे हुए हैं। कुछ महिलाओं के चेहरे जख्मी और खून से लथपथ हैं। बंधक परिवार फोरम के अनुसार, यह फुटेज पहले हमास द्वारा जारी किया गया था। अभियान समूह ने इसे आईडीएफ से प्राप्त किया, जिसने पहले सबसे परेशान करने वाले दृश्यों को बाहर करने के लिए वीडियो को संपादित किया था। बंधक परिवार फोरम ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, बंधकों के साथ जो हुआ उसके बारे में हर नई गवाही एक ही दुखद सच्चाई को प्रतिध्वनित करती है - हमें अब उन सभी को घर वापस लाना होगा। महिलाओं का अपहरण उत्तरी गाजा पट्टी के पास इज़राइल के नाहल ओज़ सैन्य अड्डे पर हमास के हमले के दौरान किया गया था, जो इज़राइल पर आतंकवादी समूह के हमलों का हिस्सा था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 250 से अधिक लोगों को पकड़ लिया गया था और एन्क्लेव में बंधक बना लिया गया था। गाजा में फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले के बाद, इज़राइल ने गाजा में युद्ध शुरू कर दिया, जिसमें पिछले सात महीनों में 35,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। बंधक महिलाएं आईडीएफ पर्यवेक्षकों के रूप में काम कर रही थीं, एक भूमिका जिसमें इज़राइल की सीमा सुरक्षा की निगरानी करना शामिल है। इस घटना का वीडियो सार्वजनिक किया गया है क्योंकि नेतन्याहू पर हमास के कब्जे वाले इजराइलियों की रिहाई सुनिश्चित करने का दबाव बढ़ रहा है जिसे उनकी सरकार ने गाजा हमले का एक प्रमुख लक्ष्य बना दिया है। हाल के महीनों में हमास के साथ बंधकों के बदले युद्धविराम समझौते के कई प्रयास विफल हो गए हैं जिससे बंदियों की वापसी के लिए अभियान चला रहे इजराइल के लोग नाराज हैं। बंधक परिवार फोरम ने बुधवार को वीडियो को प्रचारित करते हुए कहा, इजरायल राज्य ऐसी वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर सकता जहां उसके नागरिक लगातार महसूस करते हैं कि उनकी जान को खतरा है और वे लगातार भय और चिंता से पीड़ित हैं।

पर्वतारोही कामी शेरपा ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

30वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह कर रच दिया इतिहास

काठमांडू: नेपाल के दिग्गज पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने बुधवार को 30वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करके इतिहास रच दिया और उन्होंने 10 दिन पहले दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे अधिक बार चढ़ने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। 14 पीक्स एक्सपीडिशन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ताशी लकपा शेरपा के अनुसार 54 वर्षीय पर्वतारोही रीता शेरपा स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजकर 49 मिनट पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर पहुंचे। कामी ने मात्र 10 दिन पहले ही 29वीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। हिमालयन टाइम्स अखबार ने ताशी लकपा के हवाले से जानकारी दी, उन्होंने 12 मई को 29वीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिग्गज पर्वतारोही कामी ने मई 1994 में पहली बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। उनका जन्म 17 जनवरी, 1970 को हुआ था और उनकी पर्वतारोहण यात्रा 1992 में शुरू हुई थी। पिछले साल उन्होंने एक ही मौसम में 27वीं और 28वीं बार माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी।

US सीनेटर क्रूज ने बाइडेन की विदेश नीति की उड़ाई धज्जियां

कहा-आपके कारण दुनिया झेल रही 2 युद्ध

वॉशिंगटन: अमेरिकी सीनेटर टेड क्रूज (आर-टेक्सास) ने आज बाइडेन प्रशासन की विदेश नीति की जमकर धज्जियां उड़ाईं। टेड क्रूज़ ने आपदाओं पर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से पूछताछ की, जिसमें राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा क्रूर राष्ट्रपति रायसी की मौत के लिए ईरान के प्रति संवेदना व्यक्त करने से लेकर इजराइल को सहायता व सेना के शिपमेंट में देरी करने के बाइडेन के फैसले तक शामिल हैं। टेड क्रूज सेक्रेटरी ने विदेश सचिव ब्लिंकन को आड़े हाथो लेते हुए कहा कि आपने आधुनिक समय की सबसे खराब विदेश नीति आपदा की अध्यक्षता की है। जब जो बाइडेन राष्ट्रपति बने तो उन्हें दुनिया में शांति और समृद्धि विरासत में मिली। अब हमारे सामने दो एक साथ युद्ध चल रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में 50 वर्षों में मध्य पूर्व में सबसे खराब युद्ध मेरा मानना है कि दोनों ही इस प्रशासन की लगातार कमजोरी के कारण हुए। उन्होंने कहा कि वास्तव में, आपकी विदेश नीति एक तर्कसंगत अमेरिकी विदेश नीति से बिल्कुल पीछे है। हमारे मित्रों और सहयोगियों को, इस प्रशासन ने लगातार कमज़ोर किया है और उन पर हमला किया है। हमारे दुश्मनों के लिए, इस प्रशासन ने लगातार तुष्टीकरण दिखाया है और वास्तव में अमेरिका के दुश्मनों को अरबों डॉलर दिए हैं जो हमें मारना चाहते हैं।

एचआईवी, वायरल हेपेटाइटिस और यौन संक्रमण से हर घंटे होती है 285 लोगों की मौत

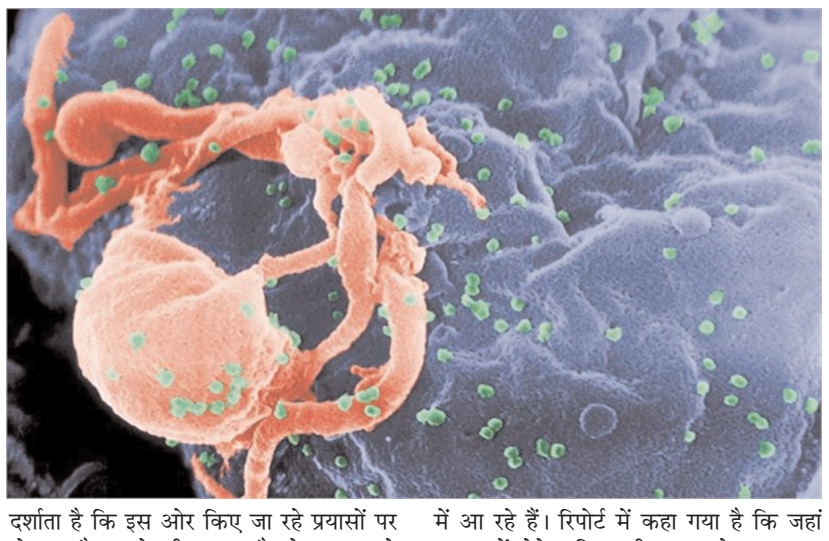

नेशनल डेस्क: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में हर दिन 10 लाख से 'यादा लोग संक्रमण का शिकार बन रहे हैं, इनमें से 'यादातर मामले यौन संक्रमण के होते हैं। यह बीमारियां कितनी घातक हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एचआईवी, वायरल हेपेटाइटिस और यौन संक्रमणों की वजह से सालाना 25 लाख से 'यादा लोगों की मौत हो रही है, यानी हर घंटे 285 लोगों की जान इस बात का भी सबूत है कि यह बीमारियां अभी भी स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

मौतों को सीमित करने में जुटे हैं वैज्ञानिक

डाउन टू अर्थ की रिपोर्ट में आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए कहा गया है कि हर मिनट इन बीमारियों की वजह से औसतन पांच लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है। वहीं 2020 में इनकी वजह से 2× लाख लोगों की जान गई थी। हालांकि 2025 तक इन मौतों को 17 लाख जबकि 20×0 तक 10 लाख पर सीमित करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं यदि एच.आई.वी. से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो इसके मामलों और संबंधित मौतों में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। हालांकि इसके बावजूद गिरावट की यह दरें 2025 के लिए तय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए काफी नहीं हैं। जो दर्शाता है कि इस ओर किए जा रहे प्रयासों पर दोबारा गौर करने की जरूरत है। देखा जाए तो एचआईवी से निपटने के लिए एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी व्यापक रूप से उपलब्ध है। इसके बावजूद 2022 में एचआईवी की वजह से 6×0,000 मौतें हुई थी।

कैंसर की वजह बनते है संक्रमण

आपको जानकार हैरानी होगी की एचआईवी, वायरल हेपेटाइटिस और यौन संक्रमणों की वजह से हर साल 12 लाख लोग कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां 2019 में हेपेटाइटिस की वजह से 11 लाख लोगों की मौत हुई थी, वहीं 2022 में यह आंकड़ा बढ़कर 1× लाख पर पहुंच गया। यह इस बात की ओर इशारा है कि रोकथाम, निदान और उपचार के प्रभावी साधन उपलब्ध होने के बावजूद, हेपेटाइटिस से संबंधित कैंसर और मौतों की संख्या बढ़ रही है। गौरतलब है कि इनमें से 11 लाख मौतें हेपेटाइटिस बी की वजह से हुई थी।

मां के बॉयफ्रेंड ने 1 साल के बच्चे को इतना बेरहमी से मारा कि आंखों से बहता रहा खून, हार्ट अटैक से मौत

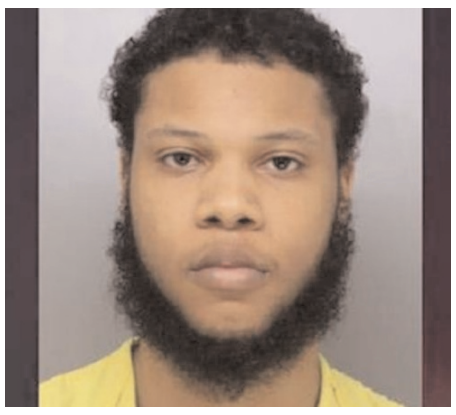

नेशनल डेस्क: संयुक्त राज्य अमेरिका के ओहियो में एक व्यक्ति पर अपनी प्रेमिका के 1 वर्षीय बेटे की हत्या का आरोप लगाया गया है। ओहियो में एक व्यक्ति पर अपनी प्रेमिका के एक वर्षीय बेटे की हत्या करने का आरोप लगा है। दरअसल, इस दरिंदे ने एक साल के बच्चे की ऐसी पिटाई की कि उसको हार्ट अटैक आ गया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। घटना संयुक्त राज्य अमेरिका के ओहियो की है, जहां पर 23 वर्षीय मेलिसा पॉवर्स अपने 1 साल के बच्चे करीम कीता के साथ रहती थी। उसका एक बॉयफ्रेंड एडवर्ड मरे हैं, जिसे वह 3 महीने से डेट कर रही थी। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि 1 मई को जब करीम अपने घर के बाहर खेल रहा था, तो एडवर्ड करीम को अंदर ले गया और उसकी जोर से पिटाई लगाई। उसके बाद उसे बिस्तर पर सुला दिया। जब करीम ने खाना पीना सब छोड़ दिया, तो उसकी मां उसे अस्पताल लेकर गई जहां 5 मई को उसे मृत घोषित कर दिया गया। हैमिल्टन काउंटी अभियोजन वकील मेलिसा पॉवर्स ने कहा कि 23 वर्षीय एडवर्ड मरे को करीम की मौत के संबंध में हिरासत में लिया गया था और बाद में हत्या सहित कई मामलों में दोषी ठहराया गया था। बयान में दावा किया गया कि बच्चे की हत्या 1 मई को की गई थी। इसके अलावा, करीम की भयानक चोटों की जांच से पता चला कि उसे कार्डियक अरेस्ट का अनुभव हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप मस्तिष्क क्षति हुई, पसली टूट गई, लीवर क्षतिग्रस्त हो गया, आंखों के ऊतकों से खून बह रहा था और मस्तिष्क में सूजन हो गई।

श्रीलंकाई विदेश मंत्री की चीन को दो टूक- हमारे लिए भारत की सुरक्षा बेहद जरूरी

इंटरनेशनल डेस्क: श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी का भारत और चीन को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। अली साबरी ने कहा कि चीन इस वक्त भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। हम भी इसी तरह दूसरे देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। श्रीलंका ने कहा है कि भारत की सुरक्षा उनके लिए बेहद जरूरी है।

एक इंटरव्यू में साबरी ने पर निशाना साधते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि उनका देश भारत की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। साबरी ने कहा कि एक जिम्मेदार पड़ोसी के तौर पर न से रिश्ते अपनी जगह हैं लेकिन वह किसी को भी भारत को नुकसान पहुंचाने नहीं देंगे और चीन से रिश्ते बनाने से परहेज करेंगे।

भारत की चिंता हमारे लिए बेहद अहम है। हमने इसके लिए अब एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर बनाया है और इसे बनाते वक्त भारत सहित दूसरे दोस्तों से सलाह भी ली ।

सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता सही है और हमारे लिए बहुत जरूरी भी है। हम अपने क्षेत्र को शांति का जोन बनाना चाहते हैं। श्रीलंका के पोर्ट पर रुकने वाले चीन के रिसर्च जहाजों से जुड़े सवाल पर साबरी ने कहा- हम सभी देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए हम किसी दूसरे देश की सुरक्षा को ताक पर नहीं रखेंगे। अगर भारत इस मामले में अपनी सुरक्षा को लेकर सवाल उठाएगा, तो हम उस पर जरूर ध्यान देंगे। हम किसी को भी उन्हें चोट नहीं पहुंचाने देंगे।

साबरी ने कहा कि हाल ही में चीन भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बनकर सामने आया है। इसी तरह श्रीलंका भी भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है, लेकिन हम तीसरे पक्ष को कभी भी खतरे में नहीं डालेंगे। भारत ने पिछले साल श्रीलंकाई द्वीप पर चीनी जहाज के रुकने को लेकर चिंता जताई थी। तब भारत ने कहा था कि चीन अपने रिसर्च वैसल्स के जरिए भारत की जासूसी करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद श्रीलंका ने सितंबर 2023 में चीन के जहाजों को अपने देश में रुकने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569